मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 28 सितंबर 2026

संवत 2083, आश्विन कृष्ण दो मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 24, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर भारत

जेलर 2 में धमाल माचाएंगी विद्या बालन ◀◀ 6

सुप्रीम कोर्ट में जेपीएससी- जेएसएससी नियुक्ति घोटाले की सीबीआई जांच पर सुनवाई अब 5 अक्टूबर को

नई दिल्ली/रांचीः सुप्रीम कोर्ट ने जेपीएससी- जेएसएससी नियुक्ति घोटाले की सुनवाई के लिए पांच अक्टूबर की तिथि निर्धारित की है। मनीष कुमार द्वारा समय मांगे जाने और हरिशरण की याचिका के आलोक में प्रतिवादियों द्वारा जवाब दाखिल नहीं किये जाने की वजह से सुनवाई की दूसरी तिथि निर्धारित की गयी। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची और न्यायाधीश वी मोहना की पीठ ने हरिशरण और मनीष कुमार की याचिकाओं की सुनवाई शुरू हुई।

सुनवाई शुरू होते की मनीष कुमार की ओर से वरीय अधिक्ता के नही होने की वजह से समय की मांग की गयी। जबकि हरिशरण की ओर से यह कहा गया कि उनकी याचिका पर जारी नोटिस के आलोक में अब तक किसी ने शपथ पत्र दायर कर जवाब दाखिल नहीं किया है।

इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई की अगली तिथि निर्धारित की। सुप्रीम कोर्ट में हरिशरण देवगन ने जनहित याचिका दायर कर जेपीएससी- जेएसएससी नियुक्ति घोटाले में सीबीआई जांच की मांग की है, जबकि मनीष कुमार ने क्रिमनल रिट पिटिशन दायर किया है। इसमें उन्हीं लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है जो हिरशरण देवगम की याचिका प्रतिवादी है।

गुमला लापता बच्ची केस : सरकार ने हाईकोर्ट को बताया, मुख्य आरोपी एक टेस्ट में संदिग्ध पाई गई है

रांची : झारखंड हाईकोर्ट में गुमला से वर्ष 2018 से लापता बच्ची मामले की सुनवाई हुई। मामले में राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल किया गया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि मामले की मुख्य आरोपी भूखली लकड़ा का गुजरात के गांधीनगर में जो सस्पेक्ट डिटेक्शन टेस्ट हुआ था, उसमें वह संदिग्ध पाई गई है।

वहीं कोर्ट को यह भी बताया गया कि वर्ष 2018 -22 तक के गुमला के पांच तत्कालीन एसपी ने मामले में मुख्य आरोपी भूखली लकड़ा के संदर्भ में कार्रवाई करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए थे। इस मामले में प्रार्थी को सरकार की शपथ पत्र पर अपना प्रति उत्तर दो सप्ताह में देने को कहा। अब मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। प्रार्थी की ओर से शशांक शेखर ने पक्ष रखा।

बता दें कि पूर्व की सुनवाई में सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि स्वास्थ्य कारणों से मुख्य आरोपी का गुजरात के गांधीनगर में नार्को टेस्ट नहीं हो सका था। इसके बाद वहां उसके सस्पेक्ट डिटेक्शन टेस्ट सहित दो पूरक टेस्ट किए गए थे। दरअसल सितंबर 2018 से गुमशुदा गुमला की 15 वर्षीय बच्ची की बरामदगी को लेकर उसकी मां चंद्रमुनि उराइन ने हेवियस कार्पस दायर की है, जिसकी सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट कर रही है।

सवाल पूछने पर विपक्ष पर ईडी-सीबीआई जनता पर लाठी-गोली चला रही सरकारः खड़गे

नई दिल्लीः कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार सवाल पूछने पर विपक्ष पर प्रवर्तन निदेशालय-केन्द्रीय जांच ब्यूरो (ईडी-सीबीआई) और जनता पर थप्पड़, लाठी तथा गोली का इस्तेमाल कर रही है। खड़गे ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाजपा लोगों के सवालों से इतनी घबरा गयी है कि नाराज फूफा , दिमागी नक्सल और आंदोलनजीवी जैसे अपशब्द भी अब फीके पड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सीधे हिंसा पर उतर आए हैं। दिल्ली के मंत्री युवा को थप्पड़ मार रहे हैं और गृह मंत्री अमित शाह की निगरानी में जंतर-मंतर पर युवाओं पर लाठीचार्ज हुआ।

खड़गे ने कहा कि इससे पहले किसानों को भाजपा सरकार में एक मंत्री के पुत्र ने गाड़ी से कुचला, एक केंद्रीय मंत्री ने गोली मारो कहा, किसान आंदोलन में रबर बुलेट चली और 750 किसानों की जान गयी। उन्होंने कहा कि गुजरात के ऊना में दलितों पर कोड़े बरसाये गये, लेकिन अब तक न्याय नहीं मिला। सत्ता का अहंकार जब चरम पर होता है, तो जनता का सार्वजनिक दमन और अपमान आदत बन जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा- आरएसएस केवल नीतियों से ही लोकतंत्र नहीं कुचल रहे हैं, बल्कि अब लाठी-डंडे तानकर जनता पर सीधे प्रहार कर रहे हैं।

भरभराकर गिरी तीन मंजिला इमारत मलबे में दबने से छह की मौत

अंबालाः हरियाणा में अंबाला के धूलकोट गांव में एक निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत का पिछला हिस्सा अचानक ढह जाने से छह लोगों की मौत हो गई तथा अन्य चार घायल हो गए। घायलों का अंबाला सिटी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद एनडीआरएफ और अन्य राहत एवं बचाव टीमें रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी रहीं। करीब 15 घंटे बाद अभियान बंद किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इमारत में तीसरी मंजिल पर लेंटर डालने का काम चल रहा था। पहली मंजिल पर प्लास्टर और दूसरी मंजिल पर फर्श का काम किया जा रहा था। इसी दौरान कल दोपहर करीब 3:30 बजे अचानक लेंटर नीचे बैठ गया और इमारत का पिछला हिस्सा पूरी तरह ढह गया। मलबे में कई मजदूर दब गए, जबकि कुछ लोगों ने ऊपर से कूदकर जान बचाई।

मजदूर रामचंद्र ने आरोप लगाया कि दो दिन पहले लेंटर के लिए शटरिंग की गई थी, लेकिन वह सही तरीके से नहीं की गई थी। इसी कारण उसने काम छोड़ दिया था। आसपास के लोगों ने भी निर्माण में जल्दबाजी और नियमों की अनदेखी के आरोप लगाए हैं। पुलिस अधीक्षक अजीत शेखावत ने कहा कि इमारत के मालिक का पता लगाया जा रहा है। यदि निर्माण अनधिकृत पाया गया तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उज्जैनः शाही मस्जिद पर बुलडोजर एक्शन से पहले पथराव, पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले

उज्जैन : सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रही शाही मस्जिद के एक हिस्से को हटाने को लेकर उज्जैन में तनाव की स्थिति बनी हुई है। रविवार से ही मस्जिद के बाहर बड़ी संख्या में लोग जुटकर कार्रवाई का विरोध कर रहे थे। सोमवार को भी विरोध जारी रहा और इस दौरान पुलिस पर पथराव की खबर सामने आई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। मामले में इंदौर हाईकोर्ट में आज सुनवाई होनी है।

उज्जैन के अब्दालपुरा इलाके में शाही मस्जिद के सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले हिस्से को हटाने की कार्रवाई को लेकर पिछले दो दिनों से तनाव बना हुआ है। रविवार रात प्रशासन जेसीबी और पोकलेन मशीनों के साथ मौके पर पहुंचा तो बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के बाहर जमा हो गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। पुलिस और प्रशासन ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन देर रात तक इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही। स्थिति को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और मस्जिद के आसपास बैरिकेडिंग कर आवाजाही को नियंत्रित किया गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मुस्लिम समाज के लोगों से बातचीत कर स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया। रविवार रात बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के अंदर और बाहर मौजूद रहे।

सोमवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव बढ़ गया और पुलिस पर पथराव की खबर सामने आई। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन में विभिन्न मार्गों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। शाही मस्जिद के मामले में सड़क को 15 मीटर चौड़ा करने की योजना है और मस्जिद का कुछ हिस्सा प्रस्तावित सड़क की जद में आ रहा है। इसी हिस्से को हटाने को लेकर विवाद बना हुआ है। शहर में सड़क चौड़ीकरण के लिए कई मकानों और अन्य निमार्णों के प्रभावित हिस्सों को हटाने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। अधिकारियों के मुताबिक, अलग-अलग स्थानों पर लोग अपनी संपत्तियों के चिन्हित हिस्से स्वेच्छा से हटाने के लिए आगे आए हैं।

शाही मस्जिद के प्रभावित हिस्से को हटाने के खिलाफ मुस्लिम समाज की ओर से कानूनी लड़ाई भी जारी है। पहले दायर याचिकाएं इंदौर हाईकोर्ट की एकल पीठ खारिज कर चुकी है। इसके बाद मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया के तहत सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है।

फिलहाल प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अदालत की सुनवाई और उसके बाद होने वाली कार्रवाई पर सभी की नजर है।

दिल्ली की अदालत ने यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण शरण सिंह और विनोद तोमर को जारी किया नोटिस

नई दिल्लीः दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को कथित तौर पर यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को नोटिस जारी किया। इस मामले में बृजभूषण शरण सिंह को बरी किए जाने के फैसले को महिला पहलवानों ने चुनौती दी है।

राऊज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज दिग्विजय सिंह ने सोमवार को चार महिला पहलवानों की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान सेशन कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह के साथ डब्ल्यूएफआई के पूर्व सचिव विनोद तोमर को भी नोटिस भेजा। इस मामले में अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी।

बृजभूषण शरण सिंह और महिला पहलवानों के बीच यह विवाद 2023 में सामने आया था। कई नामी महिला पहलवानों ने आरोप लगाया था कि वर्ष 2016 से 2022 के बीच बृजभूषण शरण सिंह की ओर से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, ट्रेनिंग कैंप, डब्ल्यूएफआई कार्यालय और अन्य स्थानों पर उनके साथ अनुचित व्यवहार और यौन उत्पीड़न किया गया। इस मामले में डब्ल्यूएफआई के पूर्व सचिव विनोद तोमर को सह-आरोपी बनाया गया। महिला पहलवानों की शिकायतों के आधार पर, पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। 15 जून 2023 को पुलिस ने कई धाराओं के तहत अपराधों के लिए बृजभूषण के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की। ट्रायल कोर्ट ने 10 मई 2024 को मामले में बृजभूषण पर यौन उत्पीड़न व महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए थे।

3 अगस्त को मामले में दिल्ली की मजिस्ट्रेट कोर्ट ने बृजभूषण सिंह और विनोद तोमर को बरी कर दिया। चार महिला पहलवानों ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के 3 अगस्त के आदेश के खिलाफ सेशन कोर्ट का रुख किया है। इस मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर की बरी होने के आदेश को भी चुनौती दी गई है।

याचिका में कहा गया कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश कानून की नजर में टिकाऊ नहीं है और सबूतों का गलत व चुनिंदा तरीके से आकलन किया गया है। महिला पहलवानों का कहना है कि आदेश में पीड़िता के व्यवहार को लेकर पुरानी रूढ़िवादी सोच को आधार बनाया गया है।

याचिका के अनुसार, ट्रायल कोर्ट ने गवाहों के समर्थन वाली पूरी तस्वीर देखने के बजाय छोटी-छोटी और गैर-जरूरी गलतियों पर ध्यान केंद्रित किया और उन्हीं के आधार पर बृजभूषण सिंह के खिलाफ पूरे मामले को खारिज कर दिया।

2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर एमडीआर का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और आरबीआई से मांगा जवाब, रोक से इनकार

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने 2,000 रुपये से अधिक के निर्धारित यूपीआई व्यक्ति-से-व्यापारी लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सोमवार को केंद्र, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य पक्षों से जवाब मांगा।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए सभी प्रतिवादियों को चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। हालांकि, अदालत ने एमडीआर लागू करने के केंद्र के फैसले पर फिलहाल किसी तरह की अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया।

केंद्र ने कहा- 96 फीसदी यूपीआई यूजर्स दायरे से बाहरः केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन वेंकटरमण ने पीठ को बताया कि यूपीआई पर एमडीआर की नई व्यवस्था से करीब 96 प्रतिशत यूजर्स के लेनदेन प्रभावित नहीं होंगे। सरकार ने कहा कि 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर प्रस्तावित एमडीआर सभी यूपीआई लेनदेन पर लागू नहीं होगा।

2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई भुगतान पर एमडीआर : नई व्यवस्था के तहत 2,000 रुपये से अधिक के पात्र पर्सनल टू मर्चेंट(पीटूएम) यूपीआई लेनदेन पर 0 l4 प्रतिशत एमडीआर लगाया जाना है। प्रति लेनदेन टऊफ़ की अधिकतम सीमा 300 रुपये रखी गई है।

एमडीआर वह शुल्क है जो डिजिटल भुगतान से जुड़े लेनदेन में मर्चेंट की ओर से भुगतान सेवा से जुड़े पक्षों को दिया जाता है। इस व्यवस्था को लेकर यह सवाल भी उठाया गया है कि इसका असर व्यापारियों और डिजिटल भुगतान के इस्तेमाल पर किस तरह पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा है। अब मामले की अगली सुनवाई में सरकार और अन्य पक्षों के जवाब के आधार पर अदालत आगे की कार्यवाही पर विचार करेगी।

15 अक्टूबर से लागू हुआ एमडीआर : सरकार ने करीब छह साल तक पूरी तरह निःशुल्क रही यूपीआई भुगतान व्यवस्था में बदलाव करते हुए 15 अक्टूबर से व्यापारियों को किए जाने वाले 2,000 रुपये से अधिक के कुछ यूपीआई भुगतानों पर 0 l4 प्रतिशत टऊफ़ लागू किया है। हालांकि, व्यक्ति-से-व्यक्ति (पीटूपी) भुगतान और छोटे मूल्य के लेनदेन को शुल्क से बाहर रखा गया है। 75,000 रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपये तय की गई है।

इन क्षेत्रों में तय शुल्कः रेलवे, दूरसंचार, बीमा, ईंधन और कृषि आदानों जैसे आवश्यक तथा कम मार्जिन वाले क्षेत्रों में 2,000 रुपये से अधिक के प्रत्येक लेनदेन पर पांच रुपये का तय एमडीआर लिया जाएगा।

वहीं, म्यूचुअल फंड, प्रतिभूतियों और शेयर ब्रोकर या डीलर के माध्यम से किए जाने वाले भुगतान पर 0 l02 प्रतिशत एमडीआर लगेगा। इसकी अधिकतम सीमा 300 रुपये होगी।

पीटूपी भुगतान पर शुल्क नहींः व्यक्ति-से-व्यक्ति (पीटूपी) यूपीआई हस्तांतरण पर लेनदेन की राशि चाहे जितनी हो, कोई शुल्क नहीं लगेगा। ऐसे लेनदेन यूपीआई की कुल मात्रा का करीब 37 प्रतिशत और कुल मूल्य का लगभग 70 प्रतिशत हैं।

ग्राहकों से नहीं वसूला जाएगा एमडीआरः केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहले कहा था कि एमडीआर का बोझ यूपीआई से भुगतान करने वाले ग्राहकों पर नहीं डाला जाएगा। उन्होंने कहा था कि यह शुल्क भुगतान सेवा से जुड़े ऑपरेटरों के बीच रहेगा।

सीतारमण ने यह भी स्पष्ट किया था कि एमडीआर कोई टैक्स या सेस नहीं है और इससे मिलने वाली राशि भारत की संचित निधि में जमा नहीं होगी। उनके मुताबिक, यह भुगतान प्रणाली को बेहतर बनाने और सेवा उपलब्ध कराने के लिए सर्विस प्रोवाइडर्स के बीच लगाया जाने वाला शुल्क है।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का मशाल जुलूस कल

मुरीः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा 29 सितंबर शाम साढे पांच बजे आजाद स्कूल के पास से मशाल जुलूस निकालेगा। 30 सितम्बर को झारखंड बंद को सफल बनाने को लेकर मशाल जूलमस निकाला जायेगा। जिसका नेतृत्व लक्ष्मी महतो द्वारा किया जाएगा। इसकी बैठक एक दिन पहले रविवार को गंगा नारायण सिंह मुंडा मुखिया बनता हजम पंचायत की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी 30 सितम्बर को झारखंड बंद पर विचार- विमर्श किया गया। झारखंड बंद को सफल बनाने हेतु दिनांक 29/9/26 को सिल्ली तथा राहें में मशाल जुलूस निकाला जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय सचिव प्रोफेसर रतनलाल महतो एवं लक्ष्मी महतो मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में प्रोफेसर नकुलचंद्र महतो, कार्तिक महतो ,देवेंद्र नाथ महतो, प्रखंड अध्यक्ष रामपदो महतो ,सुचाद महतो ,सरपंच सनत राय बिशेश्वर महतो राजकिशोर महतो संतोष महतो, मनोरंजन महतो ,विश्व नाथ साय, शाहिद अंसारी ,मुबारक अंसारी ,काबिल अंसारी ,बिनोद महतो ,हलधर महतो, भूपाल सोनार आदि सभी झारखंड आंदोलनकारी साथी उपस्थित थे।

हिण्डालको मुख्य गेट पर प्रबंधन के विरोध में अनिशिचित कालीन प्रदर्शन

मुरीः आज श्रमिकों के उपर जुर्म, शोषण और अत्याचार के खिलाफ हिण्डालको प्रबंधन के विरोध में सिल्ली बिधायक अमित महतो कामगार, मजदूर के साथ अनिशिचित कालीन धरना प्रदर्शन बैठ गए। बीती रात से ही हजारों संख्या में जेएम एम के समर्थक एवं स्थानीय लोग एकत्रित होकर मुख्य गेट पर पहुंचे। जहाँ सिल्ली मुरी थाना के पुलिस पदाधिकारी समेत पुलिस बल पहुची । पुलिस पदाधिकारी बिधायक अमित महतो से बात चीत भी किया।

मुरी -गोला सड़क की बदहाली को लेकर सिंगपुर चौक जाम, दोनों तरफ गाड़ियों की लगी लंबी कतार

मुरी-: आज सुबह साढ़े दस बजे से जेएलकेएम के कार्यकर्ताओं द्वारा मुरी - गोला सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर सिंगापुर चौक जाम कर दिया गया। इससे दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। घटनास्थल पर रोड ठेकेदार की मनमानी नहीं चलेगी। प्रशासन लोग होश में आओ आदि नारे लगाये जा रहे थे। ज्ञात हो कि रोड बनाने का कार्य चल रहा है। दो साल होने को आया है सड़क को जहां तहां तोड़ कर छोड़ दिया है। इस अधूरे सड़क पर बारिश का पानी जमा हो जाता है । इससे काफी परेशानी होती है साथ ही पानी के सूखने पर मिट्टी धूल बनकर प्रदूषण का कारण बनती है। आसपास के अस्पताल भी प्रदूषण की चपेट में है। सड़क के दोनों ओर के घर ,दुकान और प्रतिष्ठाण धूल से परेशान हैं।

इन्ही सब परेशानी को देखते हुए झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सदस्यों ने सड़क जाम कर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने की कोशिश की है।

ज्ञान प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा, सादिया परवीन रहीं प्रथम

संजय कुमार यादव

लातेहारः ईचाक में कारवाने हयात सोसाइटी के तत्वावधान में रविवार को शैक्षणिक एवं इस्लामी ज्ञान प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लेकर शैक्षणिक, इस्लामी एवं सामान्य ज्ञान का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में सादिया परवीन प्रथम, मंतशा परवीन द्वितीय और आरिफा फातिमा तृतीय स्थान पर रहीं। आयोजकों ने विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में ताहिर अंसारी, मुमताज अहमद खान, शमीम रिजवी, हातिम अंसारी, मौलाना गुलाम सरवर फैजी, मौलाना कारी अल हाकुल कादरी एवं मौलाना नजरुल कादरी समेत अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

आयोजकों ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्राओं में अध्ययन के प्रति रुचि, आत्मविश्वास और प्रतिभा का विकास होता है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी आयोजकों, निर्णायकों, अभिभावकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार जताया गया।

10वें कार्तिक उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन, खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

गुमलाः गुमला के मसमानो बरवाटोली पतरा मैदान में आयोजित 10वें कार्तिक उरांव फुटबॉल टूनार्मेंट का फाइनल मैच सह पुरस्कार वितरण समारोह रविवार को हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व आइजी डॉ। अरुण उरांव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया। इसके बाद उन्होंने विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किया।

जमीयत इद्रीसिया मरकजी के अध्यक्ष बने मुनव्वर हुसैन भुट्टो

माजीद आलम उपाध्यक्ष और मो. तबरेज महासचिव निर्वाचित

मेट्रो रेज

रांचीः जमीयत इद्रीसिया मरकजी 84 पंचायत के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में रविवार को अध्यक्ष समेत विभिन्न पदों के लिए मतदान संपन्न हुआ। मतगणना के बाद अध्यक्ष पद पर मुनव्वर हुसैन भुट्टो ने 328 मत हासिल कर जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी परवेज को 54 मतों के अंतर से हराया। परवेज को 274 मत मिले।

उपाध्यक्ष पद पर माजीद आलम 388 मत प्राप्त कर निर्वाचित हुए। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी गुड्डू को 149 मत मिले। वहीं महासचिव पद पर मो। तबरेज ने 518 मत हासिल कर जीत दर्ज की। संयुक्त सचिव पद पर मो। ताहिर को 502 मत मिले, जबकि कोषाध्यक्ष पद पर मो। ओसामा 424 मत प्राप्त कर निर्वाचित हुए।

पांच प्रत्याशियों के कारण रोचक रहा अध्यक्ष पद का मुकाबलाः अध्यक्ष पद के लिए पांच प्रत्याशियों के मैदान में होने से चुनावी मुकाबला काफी रोचक रहा। मतदान के दौरान इदरीसिया स्कूल परिसर में पूरे दिन गहमागहमी बनी रही। मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखा गया। मतगणना शुरू होते ही प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की निगाहें परिणाम पर टिक गयीं।

मुनव्वर हुसैन भुट्टो की जीत की घोषणा होते ही समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गयी। समर्थकों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया।

बिरादरी की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का भरोसाः नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने मतदाताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा कि 84 पंचायत के हित, बिरादरी की समस्याओं के समाधान और संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम किया जाएगा। उन्होंने समाज के हितों की आवाज को मजबूती से उठाने और पंचायत को बेहतर तरीके से संचालित करने का भरोसा दिलाया।

चुनाव के दौरान इदरीसिया स्कूल परिसर में सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर भी गतिविधियां बनी रहीं। मतदान से लेकर मतगणना और परिणाम की घोषणा तक प्रत्याशियों व समर्थकों में उत्सुकता बनी रही। अध्यक्ष पद पर हुए कांटे के मुकाबले ने चुनाव को खासा चर्चित बना दिया।

एसआईआर पर सियासी घमासानः जेएमएम का चुनाव आयोग पर हमला, 24 जिलों में फूंकेगी सीईसी ज्ञानेश कुमार का पुतला

संवाददाता

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के विरोध में सोमवार को राज्य के सभी 24 जिला मुख्यालयों में पुतला दहन करने का निर्णय लिया है। पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की जायेगी। पार्टी राष्ट्रपति से भी इस संबंध में कार्रवाई की मांग करेगी।

10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित आपत्तिः झामुमो महासचिव ने मीडिया रिपोर्टों और आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला देते हुए दावा किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कुछ फैसलों पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम

से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज की। रिपोर्टों के अनुसार, इन आपत्तियों में मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची में नाम हटाने और बहाल करने तथा मतदाता डेटा से जुड़े फैसले शामिल थे।

लोकतांत्रिक व्यवस्था और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषयः पार्टी का आरोप है कि अन्य चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों के बावजूद एसआइआर के तहत मतदाता सूची में बदलाव और नाम हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ायी गयी। झामुमो ने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय बताया है। हालांकि, ये आरोप झामुमो की ओर से किये गये हैं और चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर ज्ञानेश कुमार के साथ सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी वर्तमान में तीन सदस्यीय आयोग के सदस्य के रूप में दर्ज हैं।

राष्ट्रपति से कार्रवाई की मांगः झामुमो ने राष्ट्रपति से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग करने का निर्णय लिया है। पार्टी का कहना है कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता और चुनाव प्रक्रिया में लोगों के भरोसे को बनाये रखने के लिए इस मामले में कार्रवाई जरूरी है। पार्टी के अनुसार, 28 सितंबर को होने वाले कार्यक्रम में झामुमो की जिला समितियों के साथ केंद्रीय समिति के पदाधिकारी व सदस्य, सांसद, विधायक, कार्यकर्ता और विभिन्न वर्ग संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

जमीयत इदरीसीया मरकजी 84 पंचायत के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अशरफ खान चुन्नू ने दी बधाई

रांचीः जमीयत इदरीसीया मरकजी 84 पंचायत के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को झारखंड के प्रख्यात समाजसेवी, पूर्व डिप्टी मेयर प्रत्याशी एवं पठान तंजीम के संरक्षक अशरफ खान चुन्नू खान ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। जमीयत के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष मनव्वर हुसैन भुट्टो, सचिव माजिद आलम, उप सचिव ताहिर और कोषाध्यक्ष ओसामा चुने गए हैं। अशरफ खान चुन्नू ने फोन पर सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि आवाम ने बेहतर सोच और उम्मीदों के साथ आप सभी को एक नई जिम्मेदारी सौंपी है। अब आप सभी का दायित्व है कि समाज के उत्थान के लिए पूरी ईमानदारी और लगन के साथ काम करें तथा राज्य और देश को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि समाज में शिक्षा का जाल बिछाने की जरूरत है। शिक्षा ही तरक्की का सबसे बड़ा माध्यम है। जहां शिक्षा होगी, वहां अंधकार नहीं होगा। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से अपील की कि वे समाज के बच्चों और युवाओं को शिक्षा से जोड़ने तथा सामाजिक विकास के लिए मिलकर काम करें। बधाई देने वालों में पठान तंजीम के अध्यक्ष अय्यूब राजा खान, तौसीफ खान, अजहर खान पप्पू, सरवर खान, मो फहीम, पत्रकार आदिल रशीद, सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के महासचिव अकिलुर रहमान, साजिद उमर, समेत कई लोग हैं।

कुडू में एसआईआर को लेकर कांग्रेस का हमला आलोक दूबे बोले- पात्र मतदाता सूची से बाहर न हों

संवाददाता

कुडू (लोहरदगा): झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह लोहरदगा जिला कांग्रेस कमिटी के प्रभारी आलोक कुमार दूबे ने रविवार को कुडू में मीडिया से बातचीत करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण, नाम जोड़ने और हटाने सहित कई महत्वपूर्ण मामलों में दो चुनाव आयुक्तों की ओर से दर्ज कराई गई आपत्तियों की खबरें सामने आने के बाद चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं।

14 बार आपत्ति दर्ज किये जाने की रिपोर्ट का दिया हवालाः आलोक दूबे ने कहा कि मीडिया में सामने आई रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब 10 महीनों में कम-से-कम 14 अवसरों पर आयोग की विभिन्न कार्रवाइयों और प्रक्रियाओं पर औपचारिक आपत्तियां दर्ज कीं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये आपत्तियां मतदाता पंजीकरण, नाम हटाने और बहाल करने, फॉर्म-6 में बदलाव तथा चुनावी डाटा के प्रबंधन जैसे विषयों से जुड़ी थी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय चुनाव सुनिश्चित करना है। ऐसे में आयोग के भीतर निर्णय प्रक्रिया को लेकर आपत्तियों की खबरें सामने आना गंभीर विषय है। हालांकि, निर्वाचन आयोग की ओर से इन रिपोर्टों के बाद कहा गया है कि एसआईआर समेत आयोग के सभी निर्णय तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए हैं।

सीईसी के इस्तीफे की मांग कर रही कांग्रेस : आलोक दूबे ने कहा कि कांग्रेस इसी मुद्दे को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर देशव्यापी आंदोलन चला रही है। उन्होंने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की ओर से जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए एसआईआर के पहले दो चरणों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाये जाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण में भी बड़े पैमाने पर नाम हटाये जाने और दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए नोटिस दिये जाने की बात सामने आयी है। कांग्रेस द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के मुताबिक तीसरे चरण में 12 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों में 36.06 करोड़ मतदाताओं में से 6.18 करोड़ नाम हटाए गए, जबकि 5.43 करोड़ मतदाताओं को अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस दिये जाने का दावा किया गया है।

झारखंड में भी प्रक्रिया पर सवाल उठायाः आलोक दूबे ने कहा कि झारखंड में भी कांग्रेस के अनुसार नाम हटाये गये अथवा हटाये जाने के जोखिम वाले मतदाताओं का संयुक्त अनुपात 39.57 प्रतिशत बताया गया है। उन्होंने कहा कि इस आंकड़े को देखते हुए निर्वाचन आयोग को राज्यवार पूरी प्रक्रिया, नाम हटाने के कारण और दोबारा नाम जोड़ने की व्यवस्था को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना चाहिए।

पात्र मतदाताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांगः कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मतदाता सूची में सुधार जरूरी है, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है कि किसी पात्र भारतीय नागरिक का नाम केवल दस्तावेजी कमी, रिकॉर्ड में विसंगति या तकनीकी कारण से मतदाता सूची से बाहर न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा प्रक्रिया का सबसे अधिक असर गरीब, वंचित, मजदूर और कमजोर वर्ग के लोगों पर पड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के घोषित उद्देश्य के अनुसार एसआईआर में कोई पात्र नागरिक छूटना नहीं चाहिए और कोई अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल नहीं होना चाहिए। इसलिए कांग्रेस की मांग है कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता, आपत्ति और अपील का प्रभावी अवसर तथा पात्र मतदाताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। मौके पर ऐनुल अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

राज्य में 4 अक्टूबर तक बारिश के आसार, यलो अलर्ट

29 सितंबर से चार अक्टूबर तक बदलेगा मौसम, मध्यम से भारी बारिश संभावना

संवाददाता

रांचीः झारखंड में अगले छह दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र ने चार अक्तूबर तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

29 सितंबर को दक्षिणी झारखंड के कोल्हान और आसपास के क्षेत्रों के अलावा मध्य हिस्से, जिसमें राजधानी रांची और आसपास के जिले शामिल हैं, कई स्थानों पर गर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं के झोंके के साथ बारिश की संभावना है।

इस दौरान हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है।

30 और एक को कई जगह

मध्यम से भारी बारिशः मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 30 सितंबर और एक अक्तूबर को भी झारखंड के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान गरज के साथ बारिश और तेज हवा की स्थिति बन सकती है। दो अक्तूबर को राज्य के पूर्वी हिस्से, खासकर संताल परगना और आसपास के क्षेत्रों में बारिश होने का अनुमान है।

वहीं, तीन अक्तूबर को राज्य के उत्तर-पूर्वी और निकटवर्ती मध्य हिस्सों में कई स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान भी हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार चार अक्तूबर को राज्य के उत्तर-पूर्वी हिस्से में कई स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसे देखते हुए चार अक्तूबर तक यलो अलर्ट जारी किया गया है।

रांची सहित राज्य में हल्की बारिशः इधर, रविवार को राजधानी रांची के बाहरी इलाकों में बारिश हुई। बारिश के बीच कई बार धूप भी निकली। मौसम केंद्र के अनुसार, राजधानी में करीब छह मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के कारण दिनभर मौसम सुहाना रहा और आसमान में बादल छाए रहे।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में बारिश का असर राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग रूप में देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में बारिश का असर राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग रूप में देखने को मिलेगा।

हालांकि, कुछ समय के लिए धूप निकलने से उमस भी महसूस हुई। राज्य के अन्य हिस्सों में भी बारिश का असर देखने को मिला। जमशेदपुर में करीब चार मिमी और डालटनगंज में करीब दो मिमी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में बारिश का असर राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग रूप में देखने को मिलेगा। खासकर दक्षिणी, मध्य और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में गरज, वज्रपात, तेज हवा और बारिश को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

विवाश्री मिस एंड मिसेज झारखंड-2026 का ग्रैंड फिनाले संपन्न

प्रिया सिंह राव मिसेज झारखंड मिस झारखंड बनीं सृष्टि केरकेट्टा

मेट्रो रेज

रांची: विवाश्री मिस एंड मिसेज झारखंड-2026 का भव्य ग्रैंड फिनाले होटल रामाडा में उत्साह और आकर्षण के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने रैंप वॉक, स्टेज परफॉर्मेंस, प्रश्नोत्तर सहित विभिन्न प्रतियोगिता चरणों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसमें आयोजक प्रवीण सिन्हा, निदेशक, आइस ब्रेकर ओशन विजन प्रा लि।, प्रकाश सिंह, निदेशक, विवाश्री प्रा। लि। तथा जितेंद्र नाथ मिश्रा, मार्केटिंग मैनेजर, सेंट्रो सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। इसके बाद सभी जूरी सदस्यों का मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया गया।

विवाश्री मिस एंड मिसेज झारखंड-2026 के मुख्य जज के रूप में मिसेज वर्ल्ड-2022 सरगम कौशल, आशिमा कुमार एवं डॉ श्वेता नारायण, सीईओ, झारखंड कैंसर सेंटर मौजूद रहीं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य जजों ने कहा कि यह मंच राज्य की महिलाओं को अपनी आवाज, व्यक्तित्व और प्रतिभा को सामने रखने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि परिवार का सहयोग और प्रोत्साहन मिले तो महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं।

मिसेज झारखंड-2026

विजेताः प्रिया सिंह राव, प्रथम रनर-अपः अनामिका, द्वितीय रनर-अपः सोनी रानी

मिस झारखंड-2026

विजेताः सृष्टि केरकेट्टा,प्रथम रनर-अपः राजदीप कौर, द्वितीय रनर-अपः तानिष्का मेहता ।

आयोजक प्रवीण सिन्हा, निदेशक, आइस ब्रेकर ओशन विजन प्रालि ने बताया कि कुल 500 प्रतिभागियों में से फिनाले के लिए मिसेज झारखंड वर्ग में 15 तथा मिस झारखंड वर्ग में 12 प्रतिभागियों का चयन किया गया था। विजेताओं को 50 हजार रुपये की असाइनमेंट्स वर्क प्रदान की गई । इसके साथ ही विजेताओं को मिस वर्ल्ड एवं मिसेज वर्ल्ड जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचने तथा ब्रांड विज्ञापनों में काम करने का अवसर भी दिया जाएगा।

आयोजक प्रवीण सिन्हा ने बताया कि विवाश्री मिस एवं मिसेज झारखंड-2026 के ग्रैंड फिनाले में विजेताओं की घोषणा की गई।

छात्रों पर कथित हमले के विरोध में रांची में एकजुटता सभा आज

रांचीः सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एसआरएफटीआई) कैंपस, कोलकाता में छात्रों पर हुए कथित हमले के विरोध में रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर सोमवार को विरोध प्रदर्शन और एकजुटता सभा का आयोजन किया जाएगा। झारखंड के फिल्म प्रेमियों, फिल्म निमार्ताओं, सिनेमा कलाकारों, लेखकों, कवियों, रंगकर्मियों और चित्रकारों के संयुक्त समूह ने शाम 4 बजे प्रदर्शन का आह्वान किया है।

आयोजकों के अनुसार, यह प्रदर्शन एसआरएफटीआई कैंपस में भविष्य के फिल्म निमार्ताओं और छात्रों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों द्वारा कथित हिंसक हमले के विरोध में आयोजित किया जा रहा है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़क पर उतरी कांग्रेस, पुलिस से हुई धक्का-मुक्की

संवाददाता

रांचीः मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर झारखंड कांग्रेस ने सोमवार को राजधानी रांची में प्रदर्शन किया। कांग्रेस के हजारों कार्यकताओं ने पुराना विधानसभा मैदान से झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला। प्रदर्शन में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं और विभिन्न प्रकोष्ठों के कार्यकताओं के अलावा पार्टी के विधायक, मंत्री और वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। कांग्रेस ने पहले ही 28 सितंबर को राज्यभर में प्रदर्शन और रांची में उएड कार्यालय के घेराव का ऐलान किया था।

सीईओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन, गेट पर हुई धक्का-मुक्कीः पैदल मार्च के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के गेट को तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को गेट से पीछे हटाया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता गेट के पास ही धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला भी जलाया।

- लाखों असली वोटर्स के नाम कटना चुनाव की निष्पक्षता पर संदेह : अंबा प्रसाद
- जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक जारी रहेगी लड़ाई : बंधु तिर्की
- बीजेपी है गैंग्स ऑफ गुजरातः सुबोधकांत सहाय

राधाकृष्ण किशोर बोले-ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगाः प्रदर्शन के दौरान झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने उएउ ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी के एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं और उन्हें हर हाल में इस्तीफा देना होगा।

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाये। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने बीजेपी को कई राज्यों में सत्ता दिलाने में मदद की और वोट चोरी की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि बीजेपी ने लोकतंत्र को खत्म करने का काम किया है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके जरिए देश में वोट की चोरी की गयी और उन्हें जेल जाना पड़ेगा।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भी सीईसी के इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का आंदोलन यहीं खत्म नहीं होगा और पार्टी आगे भी आंदोलन जारी रखेगी। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि देश की जनता अब भारतीय जनता पार्टी को सबक सिखाने सड़क पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि अभी कांग्रेस सड़क पर उतरी है, लेकिन वह दिन दूर नहीं जब आम जनता बीजेपी को इस देश से खदेड़ने का काम करेगी। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

14 बार आपत्ति की रिपोर्ट के बाद गरमाया विवादः ज्ञानेश कुमार को लेकर विवाद की ताजा वजह चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट है। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने करीब 10 महीने के दौरान चुनाव आयोग के फैसलों और आदेशों को लेकर कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज की थी। इनमें मतदाता सूची, मतदाता नाम जोड़ने-हटाने और रक्फ़ से जुड़े फैसले भी शामिल बताए गए।

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों की जानकारी ज्ञानेश कुमार को भी दी गई थी। इसके बाद विपक्षी दलों ने सीईसी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और उनके इस्तीफे की मांग तेज कर दी। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन रिपोर्टों पर कहा है कि ऐसी आपत्तियां आंतरिक विचार-विमर्श और सामान्य निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा हैं। आयोग ने यह भी कहा कि रक्फ़समेत पिछले एक साल में लिए गए फैसले पूरे आयोग की सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

उर्दू अदब के सितारों से रोशन होगा रांची, 10 नवंबर को हज हाउस में जश्न-ए-उर्दू

कई गणमान्य हस्तियों के शामिल होने की संभावना

गुलाम शाहिद

रांचीः उर्दू भाषा, साहित्य, पत्रकारिता और तहजीब को समर्पित भव्य आयोजन जश्न-ए-उर्दूह्ल का आयोजन 10 नवंबर को हज हाउस, रांची में किया जायेगा। सहाफी एसोसिएशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स की ओर से आयोजित इस समारोह में उर्दू अदब से जुड़े शायरों, साहित्यकारों, पत्रकारों और विभिन्न क्षेत्रों में उर्दू के लिए योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया जायेगा।

आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम का उद्देश्य उर्दू भाषा और साहित्य के विकास को बढ़ावा देना, उर्दू पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना तथा उर्दू प्रेमियों के बीच संवाद और आपसी एकजुटता को मजबूत करना है। समारोह में विचार-विमर्श, संवाद और

सांस्कृतिक जुड़ाव से जुड़े विशेष सत्र भी आयोजित किये जायेंगे।

जश्न-ए-उर्दू में झारखंड सरकार के कई मंत्रियों और गणमान्य लोगों के शामिल होने की संभावना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संभावित मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की बात कही गयी है। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन अंसारी और कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद (एनसीपीयूएल), नयी दिल्ली के निदेशक को भी आमंत्रित किया गया है।

समारोह में उर्दू के चर्चित शायरों, साहित्यकारों, पत्रकारों और रिपोर्टरों को सम्मानित किया जायेगा। इसके साथ ही उर्दू भाषा और तहजीब से जुड़ी विशिष्ट हस्तियों को भी सम्मानित किया जायेगा। सहाफी एसोसिएशन के अध्यक्ष शाहिन अहमद और महासचिव रमीज संयुक्त रुप से बताया कि कार्यक्रम में उर्दू अदब से जुड़े लोगों के साथ भाषा प्रेमियों को भी आमंत्रित किया गया है। जश्न-ए-उर्दू उर्दू भाषा, साहित्य और संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए संवाद और मिलन का एक साझा मंच होगा।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर कालिख पोतने का मामला अरगोड़ा थाना में भाजपा ने दर्ज करायी प्राथमिकी

रांचीः राजधानी रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हरमू पार्क में रविवार रात असामाजिक तत्वों द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा के चेहरे पर कालिख पोतने का मामला सामने आया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी गई। घटना के बाद भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, रमेश सिंह समेत कई कार्यकर्ता हरमू पार्क पहुंचे और प्रतिमा की साफ-सफाई की। सोमवार को भाजपा का प्रतिनिधिमंडल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश के नेतृत्व में अरगोड़ा थाना पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में नवीन जायसवाल, वरुण साहू समेत कई भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे। भाजपा की ओर से मामले को लेकर थाना में शिकायत दर्ज कराई गई और आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की मांग की गई।

भाजपा नेताओं ने पुलिस से पूरे इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी करने की मांग की। साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग रखी गई। मौके पर दीपक प्रकाश ने घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष और भाजपा के विचारधारा के प्रमुख व्यक्तित्वों में से एक थे। उन्होंने आरोप लगाया कि असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर प्रतिमा को अपवित्र करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया जा सकता है, लेकिन डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों को नहीं मिटाया जा सकता। दीपक प्रकाश ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और कहा कि पुलिस पूरे क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करे।

एआईओएस मिड-टर्म सम्मेलन 2026 का भव्य समापन

नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध और नवाचारों को मिला सम्मान

मेट्रो रेज

,2,बॉटम

रांचीः होटल चाणक्य बीएनआर, रांची में तीन दिनों से चल रहा 5वां अखिल भारतीय नेत्र सम्मेलन (एआईओएस मिड टर्म कांग्रेस 2026) कल भव्य समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ।

सम्मेलन के तीसरे व अंतिम दिन : नेत्र विशेषज्ञों के विशेष सत्रः अंतिम दिन 'कॉर्नियल रिकंस्ट्रक्शन व केराटोप्लास्टी','आधुनिक ग्लूकोमा प्रबंधन',जटिल ऑकुलोप्लास्टी, न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजी तथा 'नेत्र विज्ञान का भविष्यः शोध एवं करियर' विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। सर्जरी में जटिलताओं का समाधानः सत्र में डॉक्टरों ने ऑपरेशन के दौरान आने वाली अप्रत्याशित चुनौतियों और उनके सफल निवारण के तरीके साझा किए।

समापन व पुरस्कार वितरणः दोपहर में आयोजित समापन समारोह में सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किए गए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्रों ,फिजिकल पोस्टर्स, और वीडियो प्रस्तुतियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

डॉ बिभूति कश्यप, डिप्टी डायरेक्टर एवं आरओपी विशेषज्ञ, कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल, नई दिल्ली एम्स प्रशिक्षितः प्रीमैच्योर बच्चे के लिए रोशनी के बस 30 दिन बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। बच्चा समय से पहले पैदा हुआ है या जन्म के समय उसका वजन कम है, तो माता-पिता को यह बिल्कुल इंतजार नहीं करना चाहिए कि आंख में कोई परेशानी दिखाई दे। आरओपी यानी रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि शुरूआत में आंखें बाहर से बिल्कुल सामान्य दिखाई दे सकती हैं।

समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों की आंखों की रेटिना पूरी तरह विकसित नहीं होती। जन्म के बाद रेटिना की रक्त वाहिकाओं का विकास असामान्य तरीके से होने पर फ्ढढ विकसित हो सकता है। बीमारी बढ़ने पर रेटिना पर गंभीर असर पड़ सकता है और वह अपनी जगह से अलग भी हो सकती है। ऐसी स्थिति में बच्चे की दृष्टि को बचाना बेहद कठिन हो जाता है।

अभिभावक याद रखें–लक्षण का इंतजार न करेंः बच्चे की आंखें सामान्य दिख रही हों, फिर भी फ्ढढ हो सकता है। सफेद पुतली या भेंगापन जैसे लक्षण दिखाई देने तक इंतजार करना खतरनाक हो सकता है।

माता-पिता के लिए मेरा संदेश बिल्कुल सरल है–प्रीमैच्योर बच्चे के जन्म के साथ ही आरओपी स्क्रीनिंग की योजना बनाएं। रोशनी बचाने के लिए समय पर रेटिना की जांच जरूरी है। एक समय पर की गई जांच आपके बच्चे की पूरी जिंदगी की दृष्टि बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

डॉ संतोष होनावर (मानद महासचिव – ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी): बच्चे की तस्वीर लेते समय या सामान्य रूप से उसकी पुतली में दिखने वाली सफेद चमक केवल कैमरे का फ्लैश नहीं हो सकती; इसे मामूली समझकर नजरअंदाज न करें। यह रेटिनोब्लास्टोमा (बच्चों की आंख के कैंसर) का शुरूआती संकेत हो सकता है। समय पर पहचान और विशेषज्ञ प्रोटोकॉल से आज इस बीमारी में जान और आंख दोनों बचाना संभव है।

उपचार में बड़ी सफलताः रेटिनोब्लास्टोमा अब लाइलाज बीमारी नहीं है। विशेष केंद्रों में समय पर पहचान और आधुनिक उपचार से करीब 98% बच्चों की जान, 90% में प्रभावित आंख और 80% मामलों में उपयोगी दृष्टि बचाई जा सकती है।

देर से पहचान सबसे बड़ी चुनौतीः यह बीमारी आमतौर पर 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में एक या दोनों आंखों को प्रभावित करती है। यदि कैंसर आंख से बाहर फैल जाए तो उपचार कठिन हो जाता है। इसलिए माता-पिता और बाल रोग विशेषज्ञों की सतर्कता अत्यंत आवश्यक है।

इलाज की आधुनिक तकनीकेंः अब हर मामले में आंख निकालना अनिवार्य नहीं होता। ट्यूमर की स्थिति के आधार पर सिस्टमिक कीमोथेरेपी, इंट्रा-आर्टेरियल कीमोथेरेपी (आंख की नस में सीधे दवा), इंट्राविट्रियल इंजेक्शन, लेजर, क्रायोथेरेपी, थर्मोथेरेपी और प्लाक ब्रैकीथेरेपी (रेडियोथेरेपी) जैसे सुरक्षित विकल्प मौजूद हैं। साथ ही, जेनेटिक टेस्टिंग के जरिए परिवार के अन्य बच्चों की भी समय रहते निगरानी की जा सकती है।

हैदराबाद के ग्लूकोमा विशेषज्ञ डॉ मनोज माथुर ने कहा कि ग्लूकोमा आंखों की ऐसी बीमारी है जो अक्सर बिना किसी स्पष्ट चेतावनी के धीरे-धीरे दृष्टि को नुकसान पहुंचाती है। मरीज को लंबे समय तक यह पता ही नहीं चलता कि उसकी आंखों की ऑप्टिक नर्व प्रभावित हो रही है। इसी वजह से ग्लूकोमा को ह्यसाइलेंट थीफ ऑफ साइटह्ल यानी दृष्टि का मूक चोर कहा जाता है।

आंखें ठीक लगें, फिर भी जांच जरूरीः ग्लूकोमा की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि शुरूआती अवस्था में मरीज की आंखें सामान्य दिख सकती हैं और उसे कोई परेशानी भी महसूस नहीं होती। इसलिए जब दिखना कम होगा, तब जांच कराएंगे वाला इंतजार भारी पड़ सकता है।

40 वर्ष की उम्र के बाद नियमित नेत्र परीक्षण कराना महत्वपूर्ण है। जिनके परिवार में ग्लूकोमा का इतिहास है, उन्हें विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए। मधुमेह, अत्यधिक नंबर का चश्मा, आंख की पुरानी चोट और लंबे समय तक स्टेरॉयड के इस्तेमाल जैसे कुछ कारक भी जोखिम बढ़ा सकते हैं।

दवा बंद की तो बची रोशनी भी खतरे में: ग्लूकोमा का उपचार शुरू होने के बाद डॉक्टर की सलाह के अनुसार आई ड्रॉप्स या अन्य उपचार नियमित रूप से लेना चाहिए। दृष्टि ठीक लगने पर भी दवा खुद से बंद न करें। नियमित फॉलो-अप से बीमारी की स्थिति की निगरानी की जा सकती है और उपचार में आवश्यक बदलाव किए जा सकते हैं।

डॉ मनोज माथुर कहते हैं : ,ग्लूकोमा में रोशनी जाने का इंतजार मत कीजिए। जो दृष्टि चली गई, उसे वापस लाना संभव नहीं है, लेकिन समय पर जांच और सही उपचार से बची हुई दृष्टि को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की कोशिश की जा सकती है। आंखें ठीक लग रही हैं, तब भी जांच कराइए–क्योंकि ग्लूकोमा अक्सर दिखाई देने से पहले ही नुकसान शुरू कर देता है।

समारोह में विशेषज्ञों का संदेशः समापन अवसर पर एआईओएस के राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं स्थानीय आयोजन समिति ने सम्मेलन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देशभर से आए 1500 से अधिक वक्ताओं और प्रतिभागियों ने 100 से अधिक वैज्ञानिक सत्रों के माध्यम से ज्ञान का आदान-प्रदान किया। यह सम्मेलन झारखण्ड सहित पूरे देश में अंधत्व निवारण और उन्नत नेत्र चिकित्सा सेवाओं को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

ट्रंप-जिनपिंग वार्ता

वैसे तो चमक-दमक और जोरदार मेहमाननवाजी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच वॉशिंगटन में हुई मुलाकात प्रथम दृष्टया शानदार नजर आती है। लेकिन हकीकत में इस समिट का कोई ठोस परिणाम नजर नहीं आया। दिल मिलें न मिलें हाथ मिलाने की तर्ज पर एक बात तो स्पष्ट है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कितनी गहराई तक आपस में जुड़ी हुई हैं। उनमें गहरे मतभेद और मुखर प्रतिद्वंद्विता आज भी कायम है। वार्ता का स्पष्ट परिणाम उनके बीच व्यापारिक युद्ध विराम का आगे बढ़ना है। हालांकि, दोनों देशों के व्यापारिक मामलों को लेकर बुनियादी विवाद अभी खत्म नहीं हुए हैं। अमेरिका ने कई तरह के टैरिफ चीन पर थोपे हैं, अमेरिकी सामान का चीन द्वारा खरीदने का विवाद, रेयर-अर्थ सप्लाई और चीन को दी जाने वाली उन्नत तकनीकों पर अमेरिकी प्रतिबंध जारी हैं। लेकिन दोनों देशों के कारोबारियों के लिये थोड़े समय की राहत को स्थायी समझौता नहीं माना जा सकता। हालांकि इसके बावजूद इस शिखर सम्मेलन के संकेतिक महत्व को स्वीकार करना होगा। जिस तरह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए रेड कॉर्पेट बिछाया गया, राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप जिस तरह परंपरा को नजरअंदाज करके हवाई अड्डे पर शी जिनपिंग का स्वागत करने गए, उससे प्रतिस्पर्धी दौर में चीन के बढ़ते प्रभाव का ही पता चलता है। ट्रंप ने गर्व के साथ व्हाइट हाउस के नये रूप में तैयार परिसर को उन्हें दिखाया और शानदार राजकीय भोज का भी आयोजन किया। हालांकि, ताइवान के मामले में बहुत कुछ दांव पर लगा था। शी ने वाशिंगटन से ताइवान की आजादी का विरोध करने और इस मुद्दे को संवेदनशील ढंग से संभालने का भी आग्रह किया। जिसे चीन वक्त की समझदारी मानता है। हालांकि, अमेरिका ताइवान के मुद्दे पर एक अस्पष्ट नीति को अपनाए हुए है। एक ओर अमेरिका ताइवान की अपनी रक्षा करने की नीति का समर्थन तो करता है, लेकिन उसकी संप्रभुता को औपचारिक मान्यता भी नहीं देता।सही मायने में इस बहाने शी ने डोनॉल्ड ट्रंप को चीन की प्राथमिकताओं से अवगत कराया। उन्होंने अमेरिका को संकेत दिया कि चीन ताइवान के मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं है। वास्तव में चीनी रणनीति का सिद्धांत उस अवधारणा पर केंद्रित है, जो टकराव के खतरे को बताती है। यह खतरा तब पैदा होता है जब कोई स्थापित शक्ति किसी उभरती शक्ति का सामना करती है। वहीं चीनी राष्ट्रपति ने मौजूदा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच सैन्य बातचीत की अपरिहार्यता को बताया। साथ ही किसी भी तरह के संकट को टालने के लिये मजबूत तंत्र बनाने का भी आह्वान किया। निस्संदेह, इस तरह की पहल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बीजिंग और वाशिंगटन के मध्य असहमति केवल अर्थव्यवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षा और तकनीक के क्षेत्रों तक विस्तृत है। सही मायने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता खोज हेतु जारी तीव्र होड़ ने इस अंतर को दशार्या है। आज बेहद तेजी से विकसित होती एआई तकनीक को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं पैदा हुई हैं। दुनिया में एआई के शोध-अनुसंधान की गति को धीमा करने की मांग की जा रही है ताकि मानवता के लिये नया संकट पैदा न हो। एक ओर ट्रंप ने एआई को नियमों से बचाने पर जोर दिया है, वहीं दूसरी ओर शी जिनपिंग ने तर्क दिया कि एआई को इंसानी नियंत्रण में रखा जाना चाहिए। इसकी भूमिका सिर्फ मानव हित में काम करने तक ही सीमित रहनी चाहिए। दो महाशक्तियों में एआई को लेकर भिन्न-भिन्न नजरिये से स्पष्ट होता है कि भविष्य में इस क्षेत्र में सहयोग शायद मुश्किल होगा। दरअसल, दोनों को भय है कि यदि एआई का नियमन किया गया तो एक देश दूसरे से एआई की तरक्की में पीछे रह सकता है। निस्संदेह, इस शिखर सम्मेलन से भले ही कोई बड़ी कामयाबी हासिल न हुई हो, इसके बावजूद इस मुलाकात का अपना एक विशेष महत्व तो है। शिखर सम्मेलन का महत्व इस बात को लेकर भी है कि वॉशिंगटन और बीजिंग अपनी लगातार बातचीत को व्यावहारिक स्थिरता में बदल सकते हैं। निस्संदेह, दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता को टकराव में बदलने से रोका जाना चाहिए।

चुनाव आयोग की जवाबदेही

हाल के वर्षों में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर देश का विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। हालांकि, चुनाव हारने पर विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का सिलसिला पुराना है। लेकिन पिछले कुछ सालों में भारत का चुनाव आयोग विश्वसनीयता की कसौटी पर खरा नहीं उतर पा रहा है। जिसकी तपिश भारतीय लोकतंत्र की साख पर भी पड़ती है। निस्संदेह, चुनाव आयोग का दायित्व लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव कराना और नागरिकों के वोट देने के महत्वपूर्ण अधिकार की रक्षा करना होता है। लेकिन पिछले कुछ समय से इस संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को विवादित ह्यस्पेशल इंटेंसिव रिविजनह्ल यानी एसआईआर से जुड़ी विसंगतियों ने भारी ठेस पहुंचायी है। हाल ही में दिल्ली के एक अंग्रेजी अखबार की पड़ताल में पता चला है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने अक्तूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच कम से कम चौदह बार उन फैसलों पर आपत्ति जताई, जो उनकी जानकारी में लाए बगैर लिये गए थे। सूत्रों के मुताबिक इन दो चुनाव आयुक्तों की चिंताओं में फॉर्म-6 में बदलाव, वोटर लिस्ट डेटाबेस का सेंट्रलाइजेशन, फील्ड अधिकारियों की इस तक सीमित पहुंच और वोटरों के नाम हटाने की प्रक्रिया शामिल थी। निस्संदेह, इस प्रकरण से मुख्य चुनाव आयुक्त की स्थिति असहज हो गई है। इसके बाद अक्सर चुनाव आयोग पर हमलावर रहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष और ज्यादा हमलावर हो गया है। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग कर रहा है। भारतीय लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया का संचालन करने वाली संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग के चुनाव आयुक्तों के बीच उजागर हुए इस मतभेद को प्रशासनिक छोटी-मोटी बात कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ये प्रकरण चुनाव की विश्वसनीयता और जवाबदेही के मूल मुद्दे से जुड़ा है। वोटर रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के लिये बने फॉर्म-6 में, रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूल्स-1960 में कानूनी रूप से सही तरीके से संशोधन किए बिना बदलाव कर दिए गए। इन बदलावों के चलते नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। विडंबना यह है कि जो फॉर्म-6 वोटर रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के लिये बना था, उसे बेहद जटिल बना दिया गया। जिसमें यह जानकारी देनी अनिवार्य कर दी गई कि क्या वोटर के माता-पिता का नाम पिछली एसआईआर सूची में शामिल था। उल्लेखनीय है कि एसआईआर की जटिलता को महसूस करते हुए पिछले बार की प्रक्रिया की जिम्मेदारी चुनाव आयोग के कर्मचारियों ने निभायी थी। लेकिन इस बार यह जवाबदेही वोटरों के सिर पर डाल दी गई। एक सामान्य मतदाता कैसे याद रखे कि करीब चौथाई सदी पहले उसने या उसके माता-पिता ने किस बूथ पर वोट डाला था। इस संबंध में जानकारी जुटाने के लिये लोग दर-दर की ठोकरें खाते रहे हैं। इस जानकारी से मैपिंग न हो पाने के कारण पूरे देश में करोड़ों मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से निकाल दिए गए। पश्चिम बंगाल में, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से लाखों नाम हटाने पर नागरिकों व विपक्ष ने कड़ा प्रतिरोध किया। अब तक तय की गई दस में से नौ अपीलों में वोट बहाल होने की रिपोर्ट से पता चलता है कि विसंगतियों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था। इस समस्या का समाधान करने की प्रक्रिया की कछुआ चाल का पता इस बात से चलता है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त ट्रिब्यूनल को बंगाल में लंबित 37 लाख अपीलों का निस्तारण करने में करीब बारह साल लग सकते हैं।

नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर भारत

> इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत अब केवल पुर्जों को जोड़कर उत्पाद तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। अगले छह वर्षों में मोबाइल कंपोनेंट्स में घरेलू वैल्यू एडिशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है। यह विचार अमेरिका की जानी-मानी निवेश बैंकिंग संस्था जेफरीज ने व्यक्त किया है। भारत में विशेष रूप से डाटा सेंटर स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता दिखाई दे रहा है। डाटा सेंटर स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी छूट भी प्रदान की जा रही है। ऐसे में भारत में डाटा सेंटर स्थापित करने की होड़ दिखाई दे रही है। पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में डाटा सेंटरों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है और आने वाले पांच वर्षों में इसके बढ़कर 10 जीडब्ल्यू तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा सेंटर अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है और यह निवेश आगे भी जारी रहने की संभावना है।

भारत आज उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिनके पास अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित नवीनतम तकनीक उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक पांच गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरोस्पेस क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है। कम लागत और कुशल इंजीनियरिंग टैलेंट भारत की महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरा है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत अब केवल पुर्जों को जोड़कर उत्पाद तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। अगले छह वर्षों में मोबाइल कंपोनेंट्स में घरेलू वैल्यू एडिशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। सोलर क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत में 35 ऋह की सोलर क्षमता चालू है, जबकि 100 जीडब्ल्यू की क्षमता पर निर्माण कार्य चल रहा है।

एशिया की सबसे बड़ी 100 कंपनियों की सूची में आज भारत की 34 कंपनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पहले भारत फार्मा, टेक्सटाइल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद, मसाले, स्टील, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था। अब परिस्थितियां बदल रही हैं। डाटा सेंटर, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर और सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी भारत तेजी से वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ रहा है।

भारत में उपलब्ध प्रतिभा और श्रमशक्ति के भरोसे विश्व की कई बड़ी कंपनियों के बीच भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित करने की होड़ दिखाई दे रही है। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किया है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक-ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है। इस बैंक के दुनियाभर के बैक-ऑफिस संचालन में कार्यरत 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलॉन ने पुणे और चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कंपनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में बड़े स्तर पर अपना अंतरराष्ट्रीय कार्यालय स्थापित किया है। बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत अब आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्चस्तरीय टैलेंट सेंटर के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कंपनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं।

इन कंपनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे अनुसंधान का कार्य इन केंद्रों में सम्पन्न हो रहा है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए उत्पादों का विकास भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत अमेरिका की कंपनी टूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किया है। इस केंद्र का आने वाले समय में और विस्तार किया जाना है। इसी प्रकार बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्योरिटी, फार्मा और सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित कर रही हैं।

एक समय अमेरिका और अन्य विकसित देशों की ओर भारत से बड़े पैमाने पर ब्रेन ड्रेन हुआ करता था। अब परिस्थितियों में बदलाव दिखाई दे रहा है और भारत रिवर्स ब्रेन ड्रेन की दिशा में आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। विशेष रूप से अमेरिका की नीतियों के कारण अन्य देशों से अमेरिका जाने वाले टैलेंट के लिए वहां लंबे समय तक रहना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों में जनसंख्या संबंधी परिस्थितियां भी बदल रही हैं। इन देशों में जन्म दर लगातार कम हो रही है। वहां जीवनशैली तेजी से व्यक्तिगत केंद्रित होती जा रही है। विवाह जैसी सामाजिक संस्था के प्रति दृष्टिकोण में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। पश्चिमी देशों में लिव-इन रिलेशनशिप का चलन बढ़ा है और विवाह को लेकर पारंपरिक सोच में बदलाव आया है। तलाक की दरों में भी कई देशों में वृद्धि दर्ज की गई है। इन देशों में सामान्य जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ रही है। परिवार बढ़ाने और बच्चों के पालन-पोषण पर होने वाला खर्च भी लोगों के निर्णयों को प्रभावित कर रहा है। इसी संदर्भ में ह्यडबल इनकम नो किड्सह्ल यानी ऊ्रछ का विचार भी जोर पकड़ रहा है। इसका अर्थ है कि परिवार में दोनों व्यक्ति आय अर्जित करें, पर बच्चे न हों। भारतीय दर्शन में विवाह को परिवार, समाज और अगली पीढ़ी के निर्माण से जुड़ी एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में देखा गया है। इसके विपरीत, पश्चिमी समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सुख को अधिक महत्व दिए जाने के कारण पारिवारिक संरचनाओं में बदलाव दिखाई दे रहा है। पुनर्जन्म और जीवन के आध्यात्मिक उद्देश्य को लेकर भारतीय तथा पश्चिमी दार्शनिक दृष्टिकोणों में भी महत्वपूर्ण अंतर है। पश्चिमी समाज में बढ़ती भौतिक आवश्यकताओं, जीवन-यापन की लागत और व्यक्तिगत जीवनशैली का प्रभाव परिवार एवं जनसंख्या संरचना पर दिखाई दे रहा है। नागरिकों के सामने यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण होता जा रहा है कि वे अपनी आय और संसाधनों का कितना हिस्सा परिवार तथा बच्चों के पालन-पोषण पर खर्च कर सकते हैं। परिणामस्वरूप कई देशों में परिवार का आकार छोटा होता जा रहा है और जन्म दर में गिरावट देखी जा रही है।

तर्पण, पितृस्मरण, आध्यात्मिक अनुभूति के अद्भुत संगम हैं नर्मदा तट

> वस्तुत: तर्पण शब्द का मूल भाव तृप्ति से जुड़ा है। सनातन संस्कार परंपरा में जल अर्पित करते हुए देवताओं, ऋषियों और पितरों का स्मरण किया जाता है। पितृ तर्पण मनुष्य को यह बोध कराता है कि उसका वर्तमान अकेला नहीं है। उसके पीछे माता-पिता, पूर्वजों, गुरुजनों, ऋषियों और असंख्य पीढ़ियों की स्मृतियां विद्यमान हैं। पितृपक्ष में तर्पण की परंपरा इसी भाव को विशेष गहराई देती है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय सनातन परंपरा में नदी जीवन है, संस्कृति है, मातृत्व है, तप है और लोकमंगल की निरंतर प्रवाहित चेतना है। इसी परंपरा में मां नर्मदा का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। नर्मदा तट पर किया गया तर्पण मनुष्य को अपने पितरों से जोड़ता है और जीवन की उस अखंड परंपरा के प्रति कृतज्ञ बनाता है, जिसके कारण वर्तमान पीढ़ी अस्तित्व में आई। अमरकंटक में मां नर्मदा के उद्गम का दर्शन, तट पर श्राद्ध और तर्पण, शिवस्वरूप नर्मदेश्वर का पूजन तथा नर्मदा परिक्रमा मिलकर ऐसा आध्यात्मिक संसार रचते हैं, जहां जल श्रद्धा बन जाता है, तिल स्मृति का प्रतीक बन जाता है और नदी स्वयं सनातन जीवनधारा का रूप धारण कर लेती है।

वस्तुतः तर्पण शब्द का मूल भाव तृप्ति से जुड़ा है। सनातन संस्कार परंपरा में जल अर्पित करते हुए देवताओं, ऋषियों और पितरों का स्मरण किया जाता है। पितृ तर्पण मनुष्य को यह बोध कराता है कि उसका वर्तमान अकेला नहीं है। उसके पीछे माता-पिता, पूर्वजों, गुरुजनों, ऋषियों और असंख्य पीढ़ियों की स्मृतियां विद्यमान हैं। पितृपक्ष में तर्पण की परंपरा इसी भाव को विशेष गहराई देती है। जल, तिल और कुश के माध्यम से पितरों का स्मरण करते समय व्यक्ति अपने वंश की स्मृति को जीवित रखता है। यह संस्कार मनुष्य को अपनी जड़ों से जोड़ता है और जीवन के प्रति कृतज्ञता का भाव उत्पन्न करता है। नर्मदा के तट पर यही तर्पण धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व ग्रहण कर लेता है। पद्म पुराण के नर्मदा-अमरकंटक प्रसंग में नर्मदा में देवताओं और पितरों के तर्पण का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। शास्त्रीय विधि से श्राद्ध तथा तिल और जल से पितरों एवं देवताओं का तर्पण करने की बात कही गई है। स्कंद पुराण के रेवाखंड में नर्मदा माहात्म्य का वर्णन अत्यंत प्रभावशाली ढंग से हुआ है। पहले नर्मदा को ग्राम और वन, हर स्थान पर पुण्यदायिनी बताया गया है। उसके बाद प्रसिद्ध श्लोक आता है :

त्रिभिः सारस्वतं तोयं सप्ताहेन तु यामुनम्।
सद्यः पुनाति गाङ्गेयं दर्शनादेव नार्मदम्॥

अर्थात सरस्वती का जल तीन दिनों में, यमुना का जल एक सप्ताह में और गंगा का जल तत्काल पवित्र करने वाला माना गया है; नर्मदा का दर्शन मात्र पवित्रकारी बताया गया है।(श्रीस्कन्दमहापुराण, अवन्तीखण्ड, रेवाखण्ड, अध्याय 21, श्लोक 6। परंपरागत रूप से महर्षि वेदव्यास प्रणीत पुराण)। यहां दर्शन का आध्यात्मिक अर्थ भी महत्वपूर्ण है। भारतीय परंपरा में दर्शन आंखों से किसी दृश्य को देखने तक सीमित न होकर व्यापक परिप्रेक्ष्य में आया है। दर्शन में श्रद्धा, भाव, समर्पण और आत्मानुभूति का समावेश है, इसलिए नर्मदा दर्शन को मन की शुद्धि और आत्मचिंतन से जोड़कर देखा गया है।

उसी रेवाखंड के अगले श्लोकों में अमरकंटक को पुण्य और सिद्धि से जुड़ा क्षेत्र बताया गया है। देवता, गंधर्व और तपस्वी ऋषियों के यहां तपस्या करने का वर्णन आता है। अमरकंटक को ह्लसिद्धिक्षेत्रह्व कहा गया है और इसे देवताओं तथा ऋषियों से संबंधित पवित्र पर्वत के रूप में चित्रित किया गया है। पद्म पुराण के स्वर्गखण्ड में नर्मदा और अमरकंटक का वर्णन इससे आगे बढ़कर श्राद्ध और तर्पण से जोड़ता है। अध्याय 79 का संबंधित प्रसंग नर्मदा में देवताओं तथा पितरों के तर्पण से विशेष पुण्यफल का उल्लेख करता है। अमरकंटक में स्नान के बाद शास्त्रीय विधि से श्राद्ध तथा तिल और जल से पितरों एवं देवताओं के तर्पण की बात कही गई है। (श्रीमद् पद्मपुराण, स्वर्गखण्ड, अध्याय 79, ह्लजम्बूमार्ग आदि तीर्थ, नर्मदा नदी, अमरकण्टक पर्वत तथा कावेरी-संगम की महिमाह्व, परंपरागत रूप से महर्षि वेदव्यास प्रणीत, गीताप्रेस-आधारित संक्षिप्त पद्मपुराण, पृष्ठ 353)

पितृऋण : अपने अस्तित्व की जड़ों को प्रणाम

सनातन धर्म में देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण की अवधारणा मनुष्य को उसके व्यापक उत्तरदायित्व का बोध कराती है। पितृऋण का अर्थ है उन पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता जिनसे जीवन, वंश, संस्कार और सामाजिक परंपरा आगे बढ़ी। श्राद्ध इस कृतज्ञता का संस्कार है और तर्पण उसका जलमय स्वरूप है । जब श्रद्धालु नर्मदा के तट पर जल की अंजलि बनाता है और पितरों का स्मरण करता है, तब वह अपने अतीत को वर्तमान से जोड़ता है। तर्पण का यह भाव मनुष्य को अपने परिवार और वंश की स्मृतियों के प्रति सजग करता है। यह संस्कार जीवन पीढ़ियों की सतत यात्रा को अभिव्यक्त करता है।

वस्तुतः नर्मदा के प्रवाह के सामने यह अनुभूति और भी गहरी हो जाती है। जैसे नदी का जल एक क्षण के लिए भी स्थिर नहीं रहता, वैसे ही मनुष्य का जीवन भी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की ओर प्रवाहित होता रहता है। यही इसका नित्य चिंतन यहां है। धार्मिक मान्यताओं में नर्मदा को भगवान शिव की मानस पुत्री कहा गया है। मैकाल पर्वत से प्रकट होने के कारण वह मैकलसुता कहलाती हैं। प्रवाह में पत्थरों के स्पर्श से उत्पन्न कल-कल ध्वनि के कारण उनका नाम रेवा भी प्रसिद्ध हुआ।नर्मदा के नाम ही उसके व्यक्तित्व का परिचय देते हैं। मैकलसुता में पर्वत की स्मृति है, रेवा में निरंतर गति है और मां नर्मदा में मातृत्व की अनुभूति।

शिव और नर्मदा का संबंध भारतीय धार्मिक चेतना में अत्यंत गहरा है। इसी कारण नर्मदा के तट पर शिव आराधना, तपस्या और परिक्रमा की परंपरा सदियों से चलती आई है। नर्मदा की धार्मिक पहचान का एक अत्यंत लोकप्रिय भाव है और वह है ह्लनर्मदा का कंकर-कंकर शंकरह्व। नर्मदा से प्राप्त प्राकृतिक शिलाखंडों को शैव परंपरा में नर्मदेश्वर शिवलिंग के रूप में पूजने की परंपरा है। प्राकृतिक रूप से निर्मित इन शिवस्वरूप शिलाओं की पूजा भारतीय धार्मिक जीवन में प्रकृति और परमात्मा के संबंध को व्यक्त करती है।

यह भाव सनातन दर्शन के उस सूत्र से जुड़ता है जिसमें परम तत्व की उपस्थिति प्रकृति के कण-कण में अनुभव की जाती है। नदी का पत्थर श्रद्धा से शिवस्वरूप बन जाता है और नदी का जल अभिषेक का पवित्र माध्यम। इस प्रकार नर्मदा का प्रत्येक तट शिवभक्ति और प्रकृति आराधना के बीच एक सेतु जैसा दिखाई देता है।

नर्मदा परिक्रमा : देह की यात्रा और आत्म-साक्षात्कार

नर्मदा परिक्रमा भारतीय तीर्थ परंपरा की अत्यंत विशिष्ट साधना है। परंपरागत रूप से साधक नर्मदा के एक तट से यात्रा आरंभ करता है, नदी के प्रवाह का अनुसरण करता है और दूसरे तट से लौटते हुए परिक्रमा पूर्ण करता है। साधु-संतों की परंपरा में इसकी अवधि तीन वर्ष, तीन महीने और तेरह दिन बताई जाती है। विभिन्न परंपराओं में परिक्रमा के नियमों और आचरण की अलग-अलग विधियां भी मिलती हैं। नर्मदा परिक्रमा में साधक पैरों से दूरी तय करता है, मन से अहंकार छोड़ता है और प्रकृति के साथ रहने का अभ्यास करता है।

तंजावुर के बृहदेश्वर मंदिर के शिखर की परछाई जमीन पर क्यों नहीं पड़ती

भारत में कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनकी अपनी-अपनी कहानियां हैं। देश के करीब सभी मंदिर गणित, विज्ञान और वास्तुकला की ऐसी अद्भुत मिसाले हैं, जिनको देखकर इंजीनियर और वैज्ञानिक भी हैरान रह जाते हैं। ऐसा ही एक मंदिर तमिलनाडु के तंजावुर शहर में है। भगवान शिव को समर्पित यह बृहदेश्वर मंदिर बेहद अद्भुत है। आमतौर पर अधिकतर मंदिरों के शिखर की परछाई धूप के कारण जमीन दिखाई देती है। लेकिन बृहदेश्वर मंदिर के शिखर की परछाई कभी जमीन पर नहीं पड़ती है।

रहस्यमयी बृहदेश्वर मंदिर

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और यूनेस्को की विश्व धरोहर लिस्ट के मुताबिक 11वीं शताब्दी में राजा राजराज चोल ने बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण कराया था। यह मंदिर मजबूत ग्रेनाइट पत्थरों से बना है। उस समय जब क्रेन जैसी आधुनिक मशीनें नहीं होती थीं, तो चोल कालीन कारीगरों की सहायता से पत्थरों को सैकड़ों फीट ऊपर लेकर जाकर मंदिर का निर्माण कराया गया था। 1000 साल पुराने और शानदार मंदिर की बनावट इतनी गजब की है कि इस मंदिर के शिखर यानी की गुंबद की परछाई कभी जमीन पर नहीं पड़ती है। इस रहस्य को लेकर वैज्ञानिक आज भी हैरान हैं।

हिंदूधर्म

मंदिर के शिखर की परछाई से जुड़ा रहस्य

बृहदेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर पूरे भारत में फेमस है और इसका मुख्य रहस्य मंदिर के शिखर से जुड़ा है। इस मंदिर का शिखर करीब 216 फीट ऊंचा है। इस शिख? के ऊपरी हिस्से पर 80 टन के एक पत्थर से बना कलश रखा है। दिन के समय जब सूर्य ठीक सिर के ऊपर होता है या फिर धूप ढलती है, तो इसके मुख्य शिखर की परछाई मंदिर परिसर के जमीन पर नहीं गिरती है।

सिविल इंजीनियरिंग और ऐतिहासिक वास्तुकला में इसके बार में बताया गया है। वैज्ञानिकों और आर्किटेक्ट्स की मानें, तो बृहदेश्वर मंदिर को खास गणितीय और ज्यामितीय कोणों के आधार पर डिजाइन किया गया है। मंदिर का चबूतरा काफी चौड़ा है और शिखर की बनावट एक खास कोण में बनाई गई है। इस अलग और अद्भुत संरचना के कारण मंदिर के शिखर की परछाई जमीन तक नहीं आती है और मंदिर के आधार में ही समा जाती है।

बिना सीमेंट और केमिकल के बना है मंदिर

बृहदेश्वर मंदिर के निर्माण में चूना, सीमेंट या फिर अन्य किसी तरह के जोड़ने वाले केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया गया है। यहां पर पत्थरों को आपस में जोड़ने के लिए पजल लॉक या इंटरलॉकिंग तकनीक का यूज किया गया है। पूजास्थल

मंदिर के प्रांगण में बाहर की ओर नंदी महाराज की मूर्ति स्थापित है। एक बड़े पत्थर को तराशकर इस मूर्ति का निर्माण किया गया है। इसको भारत की दूसरी सबसे बड़ी नंदी प्रतिमा माना जाता है। यह मंदिर 'ग्रेट लिविंग चोल टेम्पल्स' का हिस्सा है और यूनेस्को की विश्व धरोहर में शामिल है।

ऐसे पहुंचे बृहदेश्वर मंदिर

बृहदेश्वर मंदिर जाने के लिए सबसे नजदीकी एयरपोर्ट तिरुचिरापल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। रेलवे स्टेशन की बात की जाए, तो सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन तंजावुर जंक्शन पड़ेगा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

पुरी के प्रभु जगन्नाथ मंदिर के प्रारूप का एक सौ फीट ऊंचा पंडाल बनेगा आकर्षक का केंद्र : विमल

- पूर्वांचल दुर्गा पूजा समिति साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा पूजा समिति की बैठक

संवाददाता

साहिबगंज : पूर्वांचल दुर्गा पूजा समिति साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा पूजा समिति का बैठक रविवार को मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। जिसमे सर्वसम्मति से अध्यक्ष विमल यादव व अखिलेश यादव को बनाया गया.उपाध्यक्ष अंतेश यादव,केदार यादव,प्रमोद यादव,धर्मेंद्र यादव, रामदेव यादव,सुनील यादव,अजगैबी यादव व धीरेन यादव,सचिव वीरेंद्र यादव,गौरव यादव,कमलेश यादव व रामाकांत यादव,उपसचिव आदित्य यादव,गोल्डन कुमार,झाबर गौड़, खीरू यादव,दिनेश शर्मा,कोषाध्यक्ष अवधेश यादव,उपकोषाध्यक्ष हलचल यादव,अनंत कुमार विवेक यादव, उमेश सिंह,प्रेम साह व राहुल को बनाया गया।वही पूजा से लेकर विसर्जन तक की जिम्मेदारी सभी को दिया गया।अध्यक्ष विमल यादव ने बताया कि मंदिर में पूजन की शुरूवात वर्ष 1989 से हुआ।प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूजा समिति की ओर से भव्य पंडाल,आकर्षक विद्युत साज सज्जा,मां दुर्गा का आकर्षक प्रतिमा का निर्माण कराया जा रहा है और मेला का आयोजन किया गया है। इस वर्ष 100 फिट ऊंचा ओड़िया पूरी स्थित प्रभु जगन्नाथ मंदिरनुमा पंडाल आकर्षक का केंद्र रहेगा।वही विद्युत साज सज्जा,मां दुर्गा की प्रतिमा आकर्षक का केंद्र रहेगा।पूजा,मेला ओर विसर्जन में निगरानी समिति, मेला में व्यवस्थापक,मेला में श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।दुकान लगाने वाले को जगह दी जाएगी।वही विसर्जन जुलूस भव्य व आकर्षक रहेगा।पूजा पंडाल में साफ सफाई,सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा। श्रद्धालुओं को दर्शन पूजन करने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी।वही कोषाध्यक्ष अवधेश यादव ने बताया इस वर्ष पूजा का बजट 16 लाख है।जिसमे पंडाल 6 लाख,लाइट सजावट 5 लाख, प्रतिमा निर्माण में 1 लाख,पूजन सामग्री और भोग 1 लाख,विसर्जन,साज सज्जा सहित विभिन्न मद में खर्च की जाएगी।

जिला पशुपालन कार्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

रेबीज मुक्त भारत के लिए एकजुट होकर हम और भी मजबूत बनेंगे : डॉ.रंजन

साहिबगंज : विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर जिला पशुपालन कार्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।इस वर्ष कार्यक्रम की थीम रेबीज मुक्त भारत के लिए एकजुट होकर हम और भी मजबूत बनेंगे रखी गई है। जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ.रंजन कुमार झा एवं पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.सेबा पालित ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य रेबीज की रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना तथा इसके उन्मूलन की दिशा में सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम सुबह 9 बजे से दिन के एक बजे चलेगा। जिसमे यहाँ मुफ्त मे दवा एवं इलाज के साथ लोगों को रेबीज से बचाव,सतर्कता और पशुओं की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया जाएगा। सतर्क रहें,सुरक्षित रहेंह्व के संदेश के साथ लोगों से रेबीज की रोकथाम में सक्रिय भागीदारी की अपील की जाएगी।

सनातन संस्कृति धार्मिक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करना जरूरी: विजय घोष

हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केंद्र कार्यालय का उद्घाटन

साहिबगंज/राजमहल : शहर के काशिम बाजार में रविवार को हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केंद्र कार्यालय का उद्घाटन विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मुख्य अतिथि विजय घोष व केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया।कार्यक्रम में मंच के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विजय घोष ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति,धार्मिक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करना है।इसके साथ ही समाज में आपसी भाईचारा,सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियां संचालित करने की बात कही गई।वही केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने आगामी कार्यक्रमों और संगठन की कार्ययोजना पर भी चर्चा की।संत कुमार घोष ने कहा कि केंद्रीय कार्यालय शुरू होने से क्षेत्र के कार्यकताओं और आम लोगों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी।कार्यालय के माध्यम से संगठन की गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने और सामाजिक कार्यों में अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।मौके पर श्रीराम सहा,प्रमोद जैन,गौरव गुप्ता,श्रीराम शाह,निखिल यादव,मणिकांत ठाकुर अभी यादव सहित मंच के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्राकृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन की विविधता के लिए जाना जाता है साहिबगंज

साहिबगंज : पर्यटन दिवस के अवसर पर जिले के प्रमुख पर्यटन और विरासत स्थलों पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व पेयजल व स्वच्छता प्रमंडल, साहिबगंज द्वारा किया गया। इसमें जल सहियाओं ने आगे बढ़कर पहल करते हुए जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।अभियान के तहत मोती झरना, फॉसिल्स पार्क मंडरो, सिंगी दालान, कन्हैया स्थान, उधवा लेक बर्ड सेंक्चुरी और शिवगादी धाम सहित जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता गतिविधियां संचालित की गईं।साहिबगंज प्राकृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन की विविधता के लिए जाना जाता है। ऐसे स्थलों की स्वच्छता केवल उनकी सुंदरता बनाए रखने का विषय नहीं, बल्कि प्राकृतिक विरासत, जैव विविधता और स्थानीय सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण से भी जुड़ी है। इसी सोच के साथ अभियान के दौरान लोगों और पर्यटकों से पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने तथा कचरे का उचित प्रबंधन करने की अपील की गई।पेयजल और स्वच्छता प्रमंडल के नेतृत्व में आयोजित अभियान को नमामि गंगे, वन विभाग एवं पर्यटन विभाग का सहयोग मिला। विभिन्न विभागों के कर्मियों और जल सहियाओं ने सामूहिक रूप से स्वच्छता गतिविधियों में भाग लिया।अभियान में जल सहियाओं की सक्रिय भागीदारी ने इसे स्थानीय जनभागीदारी का स्वरूप दिया। उनके माध्यम से स्वच्छता का संदेश गांवों और समुदायों तक पहुंचाया गया। अभियान ने यह संदेश भी दिया कि पर्यटन स्थलों को स्वच्छ और संरक्षित रखना केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय, पर्यटकों और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।स्वच्छ पर्यटन स्थल केवल बेहतर पर्यटन अनुभव नहीं देते, बल्कि हमारी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाते हैं।

रेलवे लाइन किनारे घायल मिली महिला

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मादानशाही में शनिवार की देर शाम रेलवे लाइन के किनारे से एक अज्ञात महिला को घायल अवस्था में बरामद किया गया। महिला अर्द्धबेहोशी की हालत में थी। उसके सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में चोट के निशान मिले हैं। घटना की सूचना पर जिरवाबाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करायामहिला की उम्र करीब 32 वर्ष बतायी जा रही है खबर लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी।

चिकित्सक डॉ. अंकित कुमार ने बताया कि महिला गंभीर रूप से घायल है और फिलहाल वह ऐसी स्थिति में नहीं है कि घटना के संबंध में कुछ बता सके इधर घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मौके से एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। युवक की पहचान लोहंडा निवासी द्वारपाल, पिता जंगली महतो के रूप में हुई, रविवार को पुलिस ने पूछताछ के बाद मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 181/26 दर्ज करते हुए आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।प्रारंभिक जांच में मामला महिला से छेड़खानी से जुड़ा होने की बात सामने आयी है। हालांकि घटना के पीछे की पूरी वजह महिला के बयान और पुलिस अनुसंधान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। स्थानीय लोगों के अनुसार उक्त महिला को अक्सर साक्षरता मोड़ के आसपास देखा जाता था।

दुमका के इंडोर स्टेडियम में 29 सितंबर को मनाया जाएगा श्रद्धेय अशोक सिंहल का जन्म शताब्दी समारोह

दुमका : श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के महानायक एवं सनातन संस्कृति के आधार स्तंभ श्रद्धेय अशोक सिंहल जी की 100वीं जयंती के पावन अवसर पर विश्व हिंदू परिषद दुमका द्वारा भव्य जन्म शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह गरिमामयी कार्यक्रम आगामी 29 सितम्बर 2026, दिन मंगलवार को दुमका स्थित इंडोर स्टेडियम में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित होगा। इस आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं, जिसमें वैदिक मंगलाचरण, वेद भगवान का पूजन, वेद सेवक सम्मान तथा श्रद्धेय अशोक सिंहल जी के जीवन दर्शन एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला जाएगा। इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विहिप दुमका के जिला अध्यक्ष संजीव गोराई, जिला मंत्री मिथलेश मांझी, कोषाध्यक्ष इन्द्रदेव चौरसिया, संपर्क प्रमुख रंजीत कुमार और विशेष संपर्क प्रमुख लालचन्द कुमार सहित संपूर्ण संथाल परगना प्रमंडल के विभिन्न जिलों से जिला अध्यक्ष एवं विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल के दर्जनों कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे।

आयोजन की सफलता को लेकर दुमका जिला अध्यक्ष संजीव गोराई ने क्षेत्र के सभी सनातन धर्मप्रेमियों और आमजनों से सपरिवार एवं समय पर इंडोर स्टेडियम पहुँचकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की भावपूर्ण अपील की है।

छोटा रांगा के ग्राम प्रधान पर भूमि विवादों के निपटारे के बदले जमीन लेने का आरोप

साहिबगंज/पतना: प्रखंड के छोटा रांगा में इन दिनों स्थानीय ग्रामीणों के बीच एक तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है,जिसका मुख्य कारण गांव में होने वाली किसी भी प्रकार के भूमि विवाद इत्यादि को लेकर है,ग्रमीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान सुनील मुर्मू द्वारा विवादों का निपटारा सामाजिक तौर पर वास्तु स्थिति को देखते हुए नहीं किया जा रहा है,बल्कि दो पक्षों में विवाद होने पर जिस पक्ष द्वारा ग्राम प्रधान सुनील टुडू को जमीन में हिस्सेदारी दी जाएगी या जमीन का कोई अंश दिया जाएगा फैसला उसी पक्ष या हित में किया जाता है,जो एक गंभीर और गैरकानूनी गतिविधियों की ओर इशारा करती है।

ग्रमीणों ने की सामाजिक बैठक,ग्राम प्रधान का किया विरोधः ग्रामीणों ने रविवार को ग्राम प्रधान के इस प्रकार के गतिविधियों को लेकर सामाजिक बैठक की ,जिस बैठक में छोटा रांगा के प्रधान सुनील मुर्मू पर स्थानीय ग्रमीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि प्रधान किसी भी प्रकार के विवाद के निपटारे,जाति आय निवास या अन्य कागजी हस्ताक्षर या कार्यों के लिए किसी न किसी प्रकार की मांग करते है कागजो पर हस्ताक्षर करने से कतराते है जिससे ग्रामीणों को काफी समस्याओं का सामाना करना पड़ता है।

विवादित जमीन के निपटारे के बदले प्रधान ने दो जगह ली 4 कट्ठा जमीन,घर बनाने की भी तैयारी

विवादित जमीन के निपटारे के बदले प्रधान ने दो जगह ली 4 कट्ठा जमीन,घर बनाने की भी तैयारी : ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम प्रधान सुनील मुर्मू कुछ दिनों पूर्व दो जगह विवादित जमीन के निपटारा कराने के बदले में दो जगह 4 कट्टा जमीन भी लिया है ,जिस पक्ष ने जमीन दी उस पक्ष के हित में फैसला किया गया। और अब उस जमीन पर ग्राम प्रधान घर बनाने की भी तैयारी कर रहे है। जिसकी जाँच होने पर सारी चीजें साफ हो जाएगी।सैकड़ो आक्रोशित ग्रमीणों ने छोटा रांगा के ग्राम प्रधान का जमकर विरोध किया और बैठक से बाहर किया और ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान को पद से हटाने की मांग करते हुए नावबाजी की।ग्रमीणों ने कहा कि अगर प्रधान के भ्ष्टार्चारी रवैये के खिलाफ कार्यवाही नहीं हुई तो ग्रामीण आगे सड़क पर आंदोलन करने पर मजबूर होंगे! मौके पर संजय टुडू,बबलू पावरिया,दुर्गा कर्मकार,अनिल कर्मकार,मिल्टन टुडू,मंगल मुर्मू ,अजय कर्मकार,रवि मुर्मू,बरसा कर्मकार,बलराम कर्मकार,बादल कर्मकार,लखन मुर्मू,लखीचंद कर्मकार,बाबुधन कर्मकार,सूरज कर्मकार,सूरज कर्मकार सहित अन्य उपस्थित थे।ग्राम प्रधान सुनील मुर्मू ने आरोप को बताया बेबुनियादः मामले को लेकर ग्राम प्रधान सुनील मुर्मू ने कहा कि ग्रमीणों द्वारा लगाए गए सारे आरोप बेबुनियाद और निराधार है।

न्यूज IN ब्रीफ

रेल यात्री की तबीयत बिगड़ी, रेलवे डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद सदर अस्पताल भेजा

साहिबगंज : जमालपुर से हावड़ा जा रही 13072 एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रहे एक रेल यात्री की शनिवार को साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर अचानक तबीयत बिगड़ गई। यात्री ने इसकी जानकारी ट्रेन के टीटी को दी सूचना मिलने पर रेलवे के डॉक्टर डॉ. सुजल कुमार स्टेशन पहुंचे डॉक्टर ने यात्री को ट्रेन से उतारकर उसकी जांच की जांच के दौरान यात्री को छाती में परेशानी और सांस लेने में दिक्कत होने की बात सामने आयी स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल भेज दिया रेल यात्री के परिजनों को भी घटना की जानकारी दे दी गयी है। डॉ. सुजल कुमार ने बताया कि यात्री को छाती में परेशानी के साथ सांस लेने में दिक्कत हो रही थी बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल भेजा गया है ।

मारपीट व छेड़छाड़ के आरोप में प्राथमिकी

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला निवासी मोहम्मद कुद्दूस ने मोहल्ले के ही मोहम्मद मंजूर, पिता मुन्ना, के विरुद्ध मारपीट व छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करायी है। शिकायत के आधार पर नगर थाना में कांड संख्या 176/26 दर्ज किया गया है पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

आरपीएफ कमांडेंट देर शाम पहुंचे साहिबगंज, स्टेशन का किया निरीक्षण

साहिबगंज : मालदा रेल मंडल के आरपीएफ कमांडेंट बीके बहेरा देर शाम फरक्का एक्सप्रेस से साहिबगंज पहुंचे। उनके आगमन को लेकर आरपीएफ की टीम पहले से ही रेलवे स्टेशन पर मुस्तैद थी टीम के जवान यात्रियों को वाहन पार्किंग स्थल पर खड़ा करने और स्टेशन परिसर में यत्र-तत्र सामान नहीं रखने का अनुरोध करते नजर आये।साहिबगंज पहुंचने के बाद कमांडेंट बीके बहेरा ने रेलवे स्टेशन परिसर के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया इसके बाद आरपीएफ निरीक्षक गुलाम सरवर के साथ रेलवे गेस्ट हाउस चले गये ।जानकारी के अनुसार रविवार को आरपीएफ कमांडेंट का कहलगांव आरपीएफ पोस्ट का निरीक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

प्रखंड अध्यक्ष बैठक की सफलता को लेकर व्यापक जनसंपर्क

साहिबगंज: आगामी 30 सितंबर को निर्धारित प्रखंड अध्यक्ष बैठक की सफलता को लेकर रविवार को केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव के नेतृत्व में राजमहल प्रखंड व नगर क्षेत्र के मंडई ,कलाबहियार सहित उधवा के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर लोगों से संवाद कर व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया।इस दौरान आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से सहभागिता की अपील की गई।जनसंपर्क अभियान के दौरान उधवा प्रखंड के अमानत घाट सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं ने ग्रामीण मजदूरों और आम लोगों से मुलाकात की।इस दौरान 7 अक्टूबर 2026 को जिला मुख्यालय के समक्ष प्रस्तावित कार्यक्रम की जानकारी भी लोगों को दी गई। कार्यक्रम में सहभागिता का आह्वान किया गया।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की सफलता के लिए कार्यकताओं का गांव-गांव और क्षेत्र-क्षेत्र जाकर लोगों से संवाद करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकताओं में उत्साह है और जनसंपर्क अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाई।जनसंपर्क अभियान में मो.निजामुद्दीन,मुकलेशुर रहमान,सलमान रहमान,फूलकुमार देवी,मिथुन राजवंशी,राकेश महतो,शिव शंकर महतो,फिरोज अंसारी,शंकर घोष सहित अन्य कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

सर्जिकल स्ट्राइक से राम मंदिर तक मन की बात में पीएम मोदी के संदेश को सुना, निवर्तमान महापौर सुनील पासवान बोले- देश की ताकत और गौरव का हुआ उल्लेख

गिरिडीह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यमन की बातह्व कार्यक्रम के 138वें संस्करण को रविवार को बूथ संख्या 243 के अध्यक्ष टिंकू राम के साथ गिरिडीह के निवर्तमान महापौर सुनील पासवान ने अपने आवासीय कार्यालय में सुना। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

कार्यक्रम के बाद सुनील पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यमन की बातह्व में सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख करते हुए देश की सुरक्षा और भारतीय जवानों के साहस की चर्चा की। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले भारतीय वीर जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया था, जिसके बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई और सुरक्षा नीति को लेकर देश में एक अलग संदेश गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में उत्तराखंड के माणा गांव का भी उल्लेख किया गया, जिसे भारत का पहला गांव कहा जाता है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल की 100वीं जयंती के अवसर पर उनके योगदान और संघर्ष को भी याद किया। सुनील पासवान ने कहा कि अशोक सिंघल का प्रमुख संघर्ष अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण को लेकर रहा था। आज अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण हो चुका है, जिसे उन्होंने अशोक सिंघल के लंबे संघर्ष से जोड़कर बताया। इस मौके पर निवर्तमान महापौर सुनील पासवान के साथ अशोक राम, वासुदेव राम, दिलीप ठाकुर, टिंकू राम, जितेंद्र राम, प्रेम सिंह, संजय कुमार, सुनील रजक, शुभम पासवान सहित कई लोग उपस्थित थे।

पटेलनगर चौक पर सागर ट्रेंड्स मेंस वीयर का हुआ भव्य उद्घाटन, युवाओं के लिए उपलब्ध कपड़ों की आकर्षक रेंज

गिरिडीह। नगर निगम क्षेत्र के सिरसिया-सिहोडीह स्थित पटेलनगर चौक पर सागर गारमेंट्स के बगल में सागर ट्रेंड्स मेंस वीयर का विधिवत उद्घाटन किया गया। अभिभावक कामेश्वर ठाकुर एवं युवा समाजसेवी विशाल बर्मन ने फीता काटकर प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया। उद्घाटन के मौके पर प्रतिष्ठान में लोगों की मौजूदगी रही। त्योहारी मौसम को देखते हुए सागर ट्रेंड्स मेंस वीयर में युवाओं की पसंद और बदलते फैशन को ध्यान में रखते हुए एक से बढ़कर एक कपड़ों की रेंज उपलब्ध कराई गई है।

एचएमआर म्यूज़िक रिकॉर्ड्स ने षड्यंत्र का किया भव्य प्रीमियर

एंकरिंग करते नज़र आएंगे अभिनेता पुनीत इस्सर

एचएमआर म्यूज़िक रिकॉर्ड्स ने अपने बैनर एचएमआर क्राइम फाइल्स के तहत नई क्राइम सीरीज़ षड्यंत्र का भव्य प्रीमियर आयोजित किया। इस विशेष क्राइम सीरीज़ में दिग्गज अभिनेता पुनीत इस्सर एक प्रभावशाली भूमिका में नज़र आएंगे। प्रीमियर में मनोरंजन जगत से जुड़े कई कलाकारों, मीडिया प्रतिनिधियों और खास मेहमानों ने शिरकत की। यह शाम एक नए क्राइम स्टोरीटेलिंग फॉर्मेट की शुरुआत के नाम रही। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस और यादगार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले पुनीत इस्सर षड्यंत्र में मुख्य भूमिका में नज़र आएंगे। यह सीरीज़ दर्शकों को रहस्य, अपराध, सस्पेंस और अप्रत्याशित मोड़ों से भरी दुनिया में ले जाने का वादा करती है। कहानी मानवीय रिश्तों की जटिलताओं और उन परिस्थितियों को सामने लाती है, जो सुनियोजित साजिशों को जन्म दे सकती हैं। प्रीमियर के मौके पर अभिनेता पुनीत इस्सर ने कहा, 'क्राइम कहानियों ने हमेशा दर्शकों को आकर्षित किया है, क्योंकि ये उन्हें कहानी के अंत तक अनुमान लगाते रहने पर मजबूर करती हैं। षड्यंत्र मेरे लिए एक दिलचस्प प्रोजेक्ट है, क्योंकि इसमें सस्पेंस, ड्रामा और मजबूत किरदारों का बेहतरीन मेल देखने को मिलता है। मैं उत्साहित हूं कि दर्शक इस सीरीज़ को देखें और जानें कि कहानी आखिर किस मोड़ पर पहुंचती है।

इस सफर की एक रोमांचक

इस अवसर पर एचएमआर म्यूज़िक रिकॉर्ड्स के सीएमडी रंजीत कुमार झा भी मौजूद रहे। उन्होंने कंपनी के क्राइम-कंटेंट के क्षेत्र में कदम रखने के उद्देश्य और विज़न को साझा किया। एचएमआर म्यूज़िक रिकॉर्ड्स के सीएमडी रंजीत कुमार झा ने कहा, 'एचएमआर क्राइम फाइल्स के जरिए हमारा उद्देश्य दर्शकों के लिए ऐसी रोचक और मनोरंजक क्राइम कहानियां प्रस्तुत करना है, जिनकी अपनी एक अलग पहचान हो। षड्यंत्र इस सफर की एक रोमांचक शुरुआत है और पुनीत इस्सर जैसे प्रतिभाशाली अभिनेता का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना इस लॉन्च को और खास बनाता है। हम इस सीरीज़ को अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स के जरिए दर्शकों तक पहुंचाने के लिए उत्साहित हैं।'

करोड़ों की गाड़ी में बैठने पर मैथिली ठाकुर हुईं ट्रोल तो कंगना ने दिया करारा जवाब, कहा-

हम अच्छी जिंदगी क्यों नहीं जी सकते

लोक गायिका और बिहार की 26 साल की विधायक मैथिली ठाकुर को हाल ही में एक लग्जरी गाड़ी रोल्स रॉयस में घूमते देखे जाने पर सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। ट्रोल करने वालों को अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने जवाब देते हुए कहा कि हम क्यों अच्छी जिंदगी जी नहीं सकते। सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है कि बिहार की विधायक मैथिली ठाकुर ने अपने चुनावी हलफनामे में एक होंडा एक्टिवा और 3 करोड़ की नेट वर्थ बताई थी। हाल ही में वह 13 करोड़ रुपये की रोल्स रॉयस कार में दिखी थीं। इसकी ओनरशिप की पुष्टि नहीं हुई है। इस पोस्ट पर पलटवार करते हुए कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कुछ लोगों को तब बुरा लगता है जब वे राजनेताओं को अच्छी जिंदगी जीते हुए देखते हैं। अभी हमारे एक युवा विधायक को लग्जरी कार इस्तेमाल करने के लिए ट्रोल किया जा रहा है। हम भले ही समाज सेवा करते हों लेकिन हमारा अपना करियर, जिंदगी और लोकप्रियता भी है। ' कंगना ने कहा, 'हम निस्वार्थ भाव से जनहित में काम करते हैं लेकिन कुछ लोगों को हमारी अच्छी जिंदगी देखकर तकलीफ होती है। क्यों नहीं? हम अच्छी जिंदगी क्यों नहीं जी सकते? हमें जनता के पैसे में कोई दिलचस्पी नहीं है लेकिन हमसे यह उम्मीद करना कि हम हमेशा गरीब और बेजान जिंदगी जिएं, बिल्कुल बेतुका है। ' बता दें कि मैथिली ठाकुर भारत की लोकप्रिय शास्त्रीय और पारंपरिक संगीत गायिका हैं। वह भाजपा की सदस्य और दरभंगा जिले के अलीनगर सीट से विधायक हैं। वह बिहार विधानसभा की सबसे युवा विधायकों में से एक हैं।

जेलर 2 में धमाल मचाएंगी विद्या

रविवार को सन पिक्चर्स द्वारा जारी किए गए 'जेलर 2' के एक छोटे से झलक में अभिनेत्री विद्या बालन कांता के रूप में एक दमदार किरदार निभाती नजर आ रही हैं। इसी के साथ हाथों में सिगरेट और नीली साड़ी में नजर आ रहीं विद्या का यह दमदार और प्रभावशाली अंदाज देखते ही देखते चर्चा का विषय बन चुका है। अनिरुद्ध रविचंदर के बैकग्राउंड स्कोर के साथ जारी की गई इस झलक में कांथा सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए नजर आ रही हैं। उनका अंदाज, साड़ी का पल्लू संभालने का तरीका और हाथ में पकड़ी सिगरेट के साथ कश लेती विद्या बालन का यह अंदाज़ उनके मजबूत और बेबाक व्यक्तित्व को दर्शा रहा है। गौरतलब है कि नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बन रही 'जेलर 2' में रजनीकांत, टाइगर मुथुवेल पांडियन के किरदार में नजर आनेवाले हैं। फिल्म में राम्या कृष्णन और योगी बाबू समेत कई पुराने कलाकारों के साथ सूरज वेंजारामूडु और एस.जे. सूर्या के साथ विद्या बालन भी फिल्म का हिस्सा हैं। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित 'जेलर 2' दुनियाभर में 15 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होने वाली है। फिलहाल विद्या बालन के कांता के रूप में उनके परिचय के साथ ही फिल्म में उनके दमदार नए अवतार ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

पहले लक्ष्मी आई, अब सरस्वती भी..., 'धुरंधर' डायरेक्टर आदित्य धर का खास मैसेज

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दूसरी बार माता-पिता बन गए हैं. बेटी के जन्म पर 'धुरंधर' डायरेक्टर आदित्य धर समेत कई बॉलीवुड सितारों ने कपल को खास अंदाज में बधाई दी. बॉलीवुड के स्टार कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के घर एक बार फिर खुशियों ने दस्तक दी है. 19 सितंबर को दोनों ने अपनी दूसरी बेटी के जन्म की खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की. खबर सामने आते ही बॉलीवुड सेलेब्स ने कपल को बधाइयां देनी शुरू कर दीं. 'धुरंधर' के डायरेक्टर आदित्य धर से लेकर करीना कपूर, कृति सेनन और रवीना टंडन तक कई सितारों ने सोशल मीडिया पर दीपिका और रणवीर को शुभकामनाएं दीं. दोनों की बड़ी बेटी दुआ का जन्म भी सितंबर में ही हुआ था.

दूसरी बेटी के जन्म पर आदित्य धर ने दी खास बधाई

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के दूसरी बार माता-पिता बनने की खबर के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं. 'धुरंधर' के डायरेक्टर आदित्य धर ने भी कपल को खास अंदाज में शुभकामनाएं दीं. उन्होंने लिखा, 'पहले लक्ष्मी आई, अब सरस्वती भी आ गई!!' इसके साथ ही उन्होंने बच्ची को परिवार की एक और नन्ही परी बताते हुए उसके लिए प्यार और खुशियों की कामना की.

कोंकणा सेन को हुआ डेंगू

लस्ट स्टोरीज एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा ने अस्पताल से अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में कोंकणा सेन शर्मा अस्पताल के बेड पर बैठी और सैल्यूट करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा ने अस्पताल से अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने फैंस को बताया कि उन्हें डेंगू हुआ था और वो अस्पताल में भर्ती थीं। एक्ट्रेस ने कहा किअब उनकी तबीयत बेहतर है। कोंकणा सेन शर्मा की हाल ही में फिल्म लस्ट स्टोरीज 3 नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई हैं। एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें कोंकणा सेन शर्मा अस्पताल के बेड पर बैठी नजर आ रही हैं। कोंकणा तस्वीर में सैल्यूट करती नजर आई हैं। इसी के साथ उन्होंने लिखा- दोस्तों, डेंगू से सावधान रहें। मैं अस्पताल में थी, लेकिन अब बेहतर महसूस कर रही हूं। कोंकणा की ये तस्वीर उस वक्त सामने आई है जब कुछ दिन पहले ही उन्होंने अमोल पराशर को बर्थडे विश करते हुए पोस्ट की थी। इस वीडियो के सामने आने के बाद लोग कह रहे थे कि कोंकणा ने साफ कर दिया है कि वो अमोल को डेट कर रही हैं।

एशियाई खेल 2026: पिंकी बलहारा ने कुराश में जीता कांस्य पदक

आइची-नागोया। भारत की पिंकी बलहारा ने एशियाई खेल 2026 में महिलाओं के 78 किलोग्राम वर्ग के कुराश में कांस्य पदक जीता।

सोमवार को आइची प्रीफेक्चरल मार्शल आर्ट्स हॉल में खेले गए सेमीफाइनल में उन्हें दक्षिण कोरिया की सुमिन मो के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिंकी ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की गारम लिम को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उन्हें राउंड ऑफ 16 में बाई मिली थी। यह पिंकी बलहारा का एशियाई खेलों में दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2018 एशियाई खेलों में महिलाओं के 52 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था। उस फाइनल में उन्हें उज्बेकिस्तान की गुलनोर सुलेमानोवा से हार का सामना करना पड़ा था। हांगझोऊ एशियाई खेलों में पिंकी पदक से चूक गई थीं। उन्हें क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की सितोरा एलमुरोडोवा ने हराया था।

एशियाई खेल 2026: लवलीना बोरगोहेन सेमीफाइनल में पहुंचीं

भारत का एक और पदक पक्का

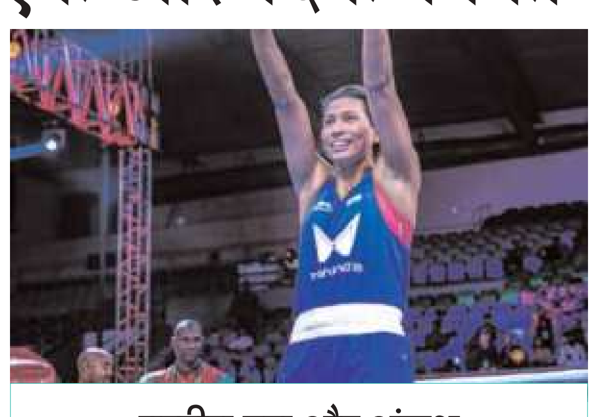

आइची-नागोया। भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियाई खेल 2026 में महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाकर भारत का एक और पदक पक्का कर दिया है। सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में लवलीना ने दक्षिण कोरिया की 2010 एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता सियोंग सुयोन को 5-0 से हराया। लवलीना ने मुकाबले की शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले राउंड में दोनों मुक्केबाजों के बीच जमकर प्रहार हुए, लेकिन लवलीना ने बेहतर मुक्केबाजी करते हुए सभी जजों का फैसला अपने पक्ष में किया। दूसरे राउंड में सियोंग ने आक्रामक होकर वापसी की कोशिश की, लेकिन लवलीना ने अपने फुटवर्क और काउंटर अटैक से उनके हमलों का जवाब दिया। उन्होंने लगातार जैब लगाते हुए यह राउंड भी 5-0 से अपने नाम किया। तीसरे राउंड में लवलीना ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। उन्होंने तेज वन-टू पंच लगाए और सियोंग को लगातार दबाव में रखा। जजों ने तीसरे राउंड में भी 5-0 से लवलीना के पक्ष में फैसला दिया। मुकाबला लवलीना ने कुल 30-27 के स्कोर से जीता। लवलीना अब फाइनल में जगह बनाने के लिए बुधवार को कजाकिस्तान की नतालिया बोगदानोवा से भिड़ेंगी।

परवीन हुड्डा और अंकुश पंघाल भी पदक की दौड़ में

इससे पहले परवीन हुड्डा ने महिलाओं के 65 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत का पदक पक्का किया था। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता नवबखोर खामिदोवा को 5-0 से हराया। परवीन ने तीनों राउंड में 4-1, 5-0 और 5-0 से बढ़त हासिल की। पुरुषों के 80 किलोग्राम वर्ग में अंकुश पंघाल भी सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान के नेक्रुज सलीमोव को 5-0 से हराया। अंकुश ने अपनी तेज गति और सटीक पंचों से पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा।

डेविड बून बने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम चेयरमैन

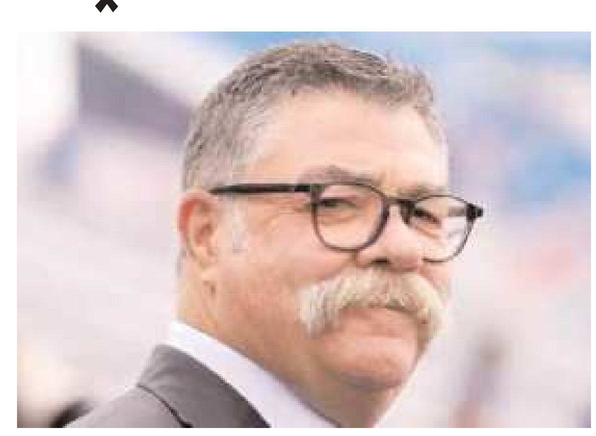

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड बून को अंतरिम चेयरमैन नियुक्त किया है। वह 28 अक्टूबर से यह जिम्मेदारी संभालेंगे। मौजूदा चेयरमैन माइक बेयर्ड के बोर्ड की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद पद छोड़ने के फैसले के बाद बून को अंतरिम चेयरमैन बनाया गया है। बेयर्ड पिछले छह वर्षों से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बोर्ड में शामिल थे और फरवरी 2023 से चेयरमैन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्होंने बोर्ड को बताया कि वह दोबारा नियुक्ति के लिए अपना नाम नहीं देंगे और एजीएम के बाद पद से हट जाएंगे।

बून ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, ह्लक्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। यह क्रिकेट के लिए बेहद रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय है। मैं बोर्ड का नेतृत्व करते हुए ऐसे फैसले लेने के लिए उत्सुक हूं, जो ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और विकास को सुनिश्चित करें तथा वैश्विक स्तर पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाएं।ह्व

बून फरवरी 2025 में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बोर्ड में शामिल हुए थे। इससे पहले वह नौ वर्षों तक क्रिकेट तस्मानिया के निदेशक रहे, जिसमें तीन वर्ष उन्होंने चेयरमैन के रूप में भी काम किया। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बून के पास क्रिकेट प्रशासन का भी लंबा अनुभव है। वह आईसीसी मैच रेफरी के रूप में काम कर चुके हैं और क्रिकेट तस्मानिया के क्रिकेट महाप्रबंधक भी रह चुके हैं। वह 2000 से 2011 तक ऑस्ट्रेलियाई चयन पैनल के सदस्य भी रहे।

बून ने माइक बेयर्ड के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जमीनी स्तर के क्लबों से लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और आईसीसी बोर्ड तक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम किया।

वहीं, पद छोड़ रहे बेयर्ड ने कहा कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालने के लिए डेविड बून का तैयार होना स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि वह आने वाले हफ्तों में बून के साथ जिम्मेदारियों के हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, स्थायी चेयरमैन की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया एजीएम के बाद आने वाले महीनों में शुरू की जाएगी।

बारिश ने भारत-अफगानिस्तान मुकाबला धोया, टीम इंडिया सेमीफाइनल में

आइची-नागोया। एशियाई खेल 2026 के पुरुष क्रिकेट क्वार्टर फाइनल में भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश और गीले मैदान के कारण मैच आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया। मुकाबले में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी।

बारिश रुकने के बावजूद मैदान खेलने के लिए तैयार नहीं हो सका। इसके बाद अधिकारियों ने मैच रद्द करने का फैसला किया। बेहतर वरीयता प्राप्त होने के कारण भारत को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया।

भारत अब सेमीफाइनल में श्रीलंका और नेपाल के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा।

इससे पहले पाकिस्तान भी हांगकांग के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद सेमीफाइनल में पहुंच गया था। पाकिस्तान का सामना अब सेमीफाइनल में बांग्लादेश और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

इस तरह बारिश के कारण एशियाई खेलों के दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबलों का फैसला बिना गेंद फेंके ही हो गया और भारत तथा पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

मल्लिकार्जुन खरगे ने बुलाई सीडब्ल्यूसी की बैठक

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

संवाददाता

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाई है। बैठक में चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के साथ पार्टी की आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा।

मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर गंभीरता से संघर्ष करेगी और बैठक में सीडब्ल्यूसी के सभी सदस्य अपने सुझाव देंगे। यह मामला केवल किसी एक राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को गंभीरता से उठा रही है और सीडब्ल्यूसी की बैठक में आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आयोग के कामकाज को लेकर उसके अपने लोगों की ओर से भी सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने केरल के पूर्व मुख्य सचिव जीजी थॉमसन के उस दावे का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा है कि 2016 में तत्कालीन आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार ने उन्हें 2019 का लोकसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़ने का सुझाव दिया था। थॉमसन के अनुसार, उन्होंने इस सुझाव को स्वीकार नहीं किया था।खरगे ने इस दावे के आधार पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी ने सेवा में रहते हुए किसी राजनीतिक दल के टिकट पर चुनाव लड़ने का सुझाव दिया था, तो यह चुनाव आयोग की निष्पक्षता से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। हालांकि, थॉमसन का यह दावा उनके स्वयं के बयान पर आधारित है और ज्ञानेश कुमार की ओर से इस आरोप पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया की पुष्टि नहीं हुई है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को अपने पद से हट जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने मांग की कि इस्तीफा देने के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।दरअसल, यह विवाद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर विपक्ष के सवालों के बीच तेज हुआ है।

नारायणपुर के कसमाबाद में कटाव

नदी में विलीन हुए एक दर्जन से अधिक आशियाने

भागलपुर। जिले के नारायणपुर प्रखंड अंतर्गत बैकठपुर दुधैला पंचायत के वार्ड नंबर नौ स्थित कसमाबाद गांव में गंगा नदी की उपधारा ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। नदी के भीषण कटाव के कारण देखते ही देखते एक दर्जन से अधिक आशियाने गंगा में समा गए हैं। इस विनाशकारी आपदा के बाद से पूरे तटीय इलाके के ग्रामीणों में दहशत और हाहाकार का माहौल है। गंगा की उग्र लहरों को अपने घरों की ओर लगातार बढ़ते देख तटवर्ती क्षेत्र के लोग गहरी लाचारी में डूबे हैं। नदी में विलीन होने के डर से ग्रामीण भारी मन से अपने घरों को खुद तोड़कर खिड़कियां, दरवाजे, चौखट, एस्बेस्टस की चादरें और ईंटें जैसी सुरक्षित सामग्रियां निकाल रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि पक्का मकान बनाने में जीवन भर की कमाई लग गई थी, जिसे आज अपने ही हाथों मलबे में तब्दील होते देखना अत्यंत पीड़ादायक है। घर नदी की मुख्य धारा में विलीन हो जाने के कारण कई परिवार बेघर होकर खुले आसमान के नीचे आ गए हैं। पीड़ित लोग अपने मवेशियों और जरूरी सामानों को समेटकर गांव के ही समीप अस्थायी झोपड़ी बनाकर रहने को मजबूर हैं, जबकि कई अन्य परिवार सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। ग्रामीणों ने रोष जताते हुए कहा कि समय रहते अगर कटावरोधी कार्य कराए जाते तो आज यह तबाही नहीं देखनी पड़ती। प्रभावित परिवारों ने जिला प्रशासन और सरकार से अविलंब राहत, मुआवजा और सुरक्षित पुनर्वास की व्यवस्था करने की मांग की है।

न्यूज IN ब्रीफ

रायगढ़ की केमिकल फैक्टरी में जोरदार धमाका, चार गंभीर घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के महाड एमआईडीसी स्थित सिनर्जिया केमिकल फैक्टरी में सोमवार को जोरदार धमाके से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को महाड ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना की छानबीन महाड पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। इस घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज सुबह सिनर्जिया केमिकल इंडस्ट्रीज फैक्टरी में पैरा नाइट्रो टोल्यून ऑर्थो सल्फोनिक एसिड के उत्पादन के दौरान रिएक्टर टैंक में अचानक विस्फोट हो गया। धमाके के बाद कंपनी परिसर में आग लग गई और धुएं का बड़ा गुबार उठने लगा। विस्फोट इतना जोरदार था कि इसके झटके कंपनी से करीब चार से पांच किलोमीटर दूर तक महसूस किए गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ओलियम और सल्फर के रिएक्शन के दौरान यह घटना हुई। घटना के बाद आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल, मेडिकल टीम और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग और स्थिति पर काबू पाया गया। इस घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को तत्काल महाड ग्रामीण अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस और औद्योगिक सुरक्षा विभाग की टीम ने घटना की जांच शुरू कर दी है। विस्फोट का वास्तविक कारण क्या था, रिएक्टर या बॉयलर में तकनीकी खराबी थी या किसी अन्य वजह से हादसा हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

कनाडा में नाजी सहयोगियों से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग बढ़ी : रूसी राजदूत

वॉशिंगटन । कनाडा में इतिहासकारों, पत्रकारों और नागरिक संगठनों की ओर से उन नाजियों और उनके सहयोगियों से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग तेज हो रही है, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कनाडा में शरण ली थी। ओटावा में रूस के राजदूत ओलेग स्टेपानोव ने यह दावा किया है। रूसी समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती से बातचीत में स्टेपानोव ने कहा कि इतिहासकारों, पत्रकारों और यहूदी संगठनों का एक वर्ग कनाडा सरकार पर संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक करने और देश के अतीत का ईमानदारी से आकलन करने के लिए दबाव बढ़ा रहा है। हालांकि, उनके अनुसार कनाडाई अधिकारी इस मामले में टाल-मटोल कर रहे हैं। स्टेपानोव ने कनाडाई संसद में पूर्व वाफेन-एसएस गैलिज़ियन डिवीजन के सैनिक यारोस्लाव हुंका को सम्मानित किए जाने से जुड़े विवाद का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस घटना पर हुई प्रतिक्रिया से पता चला कि कनाडा में इस तरह के मामलों को लेकर व्यापक स्तर पर आपत्ति है। हुंका को सितंबर 2023 में कनाडाई संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में तत्कालीन स्पीकर एंथनी रोटा ने सम्मानित किया था। बाद में यह सामने आने के बाद कि हुंका ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वाफेन-एसएस गैलिज़ियन डिवीजन में सेवा की थी, इस घटना पर कनाडा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी आलोचना हुई। रोटा ने बाद में स्पीकर पद से इस्तीफा दे दिया। स्टेपानोव ने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी की वाफेन-एसएस गैलिज़ियन डिवीजन में हुंका की सेवा का इतिहास गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने रूसी जांच समिति के अध्यक्ष अलेक्जेंडर बास्त्रिकिन के उस दावे का भी उल्लेख किया, जिसमें हुंका और उसके साथियों पर कम से कम 500 सोवियत नागरिकों की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, 500 लोगों की हत्या में हुंका की व्यक्तिगत भूमिका से जुड़ा यह दावा रूसी अधिकारियों का आरोप है और इसे स्वतंत्र रूप से स्थापित तथ्य के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता।

जेपी नड्डा का विपक्ष पर हमला, बोले- संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रहा विपक्ष

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और विपक्षी दल देश की विकास यात्रा से निराश हैं और उनके पास न तो स्पष्ट नीति है और न ही भविष्य की ठोस योजना। इसी वजह से विपक्ष देश में भ्रम और अस्थिरता का माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है। सोमवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में जेपी नड्डा ने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के प्रयासों से भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर देश का प्रभाव बढ़ रहा है। उनके अनुसार, कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन को देश की यह प्रगति रास नहीं आ रही है।

नड्डा ने आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले भी एक कथित मनगढ़ंत खबर को लेकर देशभर में हंगामा किया गया था। अब निर्वाचन आयोग की ओर से आरोपों पर स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद विपक्ष माहौल खराब करने की कोशिश कर रहा है। निर्वाचन आयोग ने हाल में कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत उसके निर्णय पूर्ण आयोग के सर्वसम्मत निर्णय हैं और आयोग संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधानों के तहत काम करता है। विपक्ष की राजनीति पर सवाल उठाते हुए जेपी नड्डा ने आरोप लगाया कि विपक्ष हर दिन नए आरोप लगाता है, जिससे देश में भ्रम का वातावरण बनता है और विकास कार्यों में बाधा डालने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की इस कार्यशैली में राष्ट्रीय सुरक्षा, जनकल्याण और देश के मान-सम्मान जैसे विषयों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष का उद्देश्य जनता की सेवा करना नहीं, बल्कि सत्ता हासिल करना है। उन्होंने विपक्षी दलों पर परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा देने और निजी हित साधने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा कि देश की जनता पहले भी अस्थिरता पैदा करने वाले प्रयासों का जवाब दे चुकी है और आगे भी ऐसे प्रयासों को नाकाम करेगी। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने अपनी ओर से कहा है कि एसआईआर के दौरान पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटने से रोकने के लिए निर्धारित प्रक्रियाएं लागू हैं। इनमें मतदाताओं को सूचना देने, घर-घर सत्यापन, दावे-आपत्तियां दर्ज कराने और अपील की व्यवस्था शामिल है।

उत्तराखंड : मौसम सुधार के बाद चारधाम यात्रा फिर सुचारू

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम की स्थिति में सुधार के बाद चारधाम यात्रा को सोमवार से पुनः सुचारू कर दिया गया है। आयुक्त गढ़वाल मंडल आनंद स्वरूप ने बताया कि यात्रा संचालन को लेकर सभी संबंधित जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मौसम और यात्रा मार्गों की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। गढ़वाल आयुक्त ने बताया कि मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के आधार पर यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत 26 सितंबर की दोपहर से 27 सितंबर तक चारधाम यात्रा स्थगित की गई थी। इस दौरान मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासन ने यात्रा संचालन को रोकने का निर्णय लिया था। अब मौसम में सुधार के बाद यात्रा को फिर से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग अलग-अलग जनपदों से होकर गुजरते हैं और प्रत्येक क्षेत्र में मौसम और सड़क की स्थिति अलग हो सकती है। ऐसे में संबंधित जिलाधिकारी अपने-अपने जनपद की स्थानीय परिस्थितियों का आकलन करते हुए यात्रा संचालन के संबंध में आवश्यक निर्णय ले सकते हैं।

कालकाजी दुष्कर्म मामले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के कालकाजी में दुष्कर्म की घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस घटना से 2012 के निर्भया कांड की यादें ताजा होती हैं और ये कानून का पालन कराने वाली एजेंसियों की नाकामी है। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा में लापरवाही पर नाराजगी जताई। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सुरक्षा में गंभीर लापरवाही के कारण सार्वजनिक स्थानों को जोखिम भरा क्षेत्र नहीं बनने दिया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि पार्क, बसों और दूसरे सार्वजनिक स्थल अगर पर्याप्त रोशनी, बेहतर पुलिसिंग और दूसरे प्रशासनिक सुविधाओं की कमी की वजह से असुरक्षित हो जाते हैं तो ये नागरिकों के जीने के अधिकारों का घोर उल्लंघन है। इसकी रक्षा करना शासन और प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से केवल चिंता जताने या एकजुटता दिखाने भर से कुछ नहीं होगा। ऐसी खोखली संवेदनाएं जनता के जख्मों पर मरहम लगाने का काम नहीं करती हैं। जरुरत है अपराधियों के मन में खौफ पैदा होने की।

पश्चिम बंगाल : बीरभूम जिले के बोलपुर में भाजपा के बूथ अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में रविवार देर शाम बेखौफ बदमाशों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान चंदन भल्ला के रूप में हुई है, जो इलाके में भाजपा के बूथ अध्यक्ष थे। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने उन्हें पॉइंट ब्लैंक रेंज (बिल्कुल करीब) से गोली मारी है। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव और सनसनी का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही बीरभूम जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विदित राज बुंदेश दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह घटना बोलपुर नगर पालिका के वार्ड नंबर 12 स्थित दुर्गा माता क्लब के पास शाम करीब साढ़े सात बजे के आसपास हुई। चंदन भल्ला जब अपने घर लौट रहे थे, तभी एक बाइक पर सवार होकर आए अज्ञात बदमाशों ने उनका रास्ता रोका और उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

महिला पहलवानों की याचिका पर बृजभूषण शरण सिंह को नोटिस, सुनवाई 9 अक्टूबर को

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू सेशंस कोर्ट ने यौन शोषण के मामले में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली चार महिला पहलवानों की याचिका पर सुनवाई करते हुए बृजभूषण शरण सिंह को नोटिस जारी किया है। स्पेशल जज दिग्विनय सिंह ने मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को करने का आदेश दिया है।

चार महिला पहलवानों ने राऊज एवेन्यू कोर्ट के मजिस्ट्रेट कोर्ट के 3 अगस्त के आदेश को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी है। महिला पहलवानों ने कहा है कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश गलत है और ये फैसला चुनिंदा साक्ष्यों के आधार पर दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि मजिस्ट्रेट कोर्ट ने स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी की है।

मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 3 अगस्त को अपने आदेश में पीड़ित महिला पहलवानों की ओर से लंबे समय तक चुप करने और आरोपितों से सामान्य संबंध जारी रहने के आधार पर बृजभूषण शरण सिंह और विनोद तोमर को बरी करने का आदेश दिया था।

इस मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट में भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354डी, 354ए और 506 (1) के तहत आरोप लगाए गए थे। सुनवाई के दौरान बृजभूषण शरण सिंह की ओर से कहा गया था कि 7 सितंबर, 2022 को घटना वाले दिन वह भारत में नहीं था। बृजभूषण के वकील राजीव मोहन ने कहा था कि ओवरसाइट कमेटी की रिपोर्ट दिल्ली पुलिस कमिश्नर को केंद्र सरकार ने भेजी थी। सुनवाई के दौरान महिला पहलवानों की वकील रेबेका जॉन ने कहा था कि ओवर साइट कमेटी नियमों के हिसाब से नहीं बनाई गई थी। उन्होंने कहा था कि जिन आरोपों के तहत चार्जशीट दाखिल हुई, उसी के तहत आरोप तय होने चाहिए।

नेपाल में लगातार हो रही बारिश से गंडक नदी में गहराया बाढ़ का खतरा

पटना। नेपाल में गंडक नदी के जल अधिग्रहण क्षेत्र में बीते चार दिन से लगातार हो रही रही मूसलाधार बारिश के बाद गंडक नदी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। वाल्मीकिनगर गंडक बराज से 5 लाख 43 हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के बाद पश्चिमी चंपारण से लेकर पूर्वी चंपारण तक नदी के तटवर्ती इलाकों में हड़कंप मच गया है। कई जगहों पर बाढ़ का पानी गांवों और सड़कों में प्रवेश कर चुका है, जबकि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की सलाह दी गई है।

लगातार दो दिनों से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण सोमवार सुबह तक पूर्वी चंपारण के अरेराज अनुमंडल के गंडक दियारा और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति और गंभीर होने की आशंका है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। गंडक के बढ़ते दबाव ने सरेया, मिश्रौलिया, पुछरिया, बिंद टोली और नवादा समेत कई गांवों के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में पानी पहुंचने लगा है और कई निचले इलाकों में बस्तियों के जलमग्न होने का खतरा बना हुआ है। पश्चिमी चंपारण में भी गंडक का असर साफ दिखाई दे रहा है। वाल्मीकिनगर, बगहा-2, बगहा-1, पिपरासी, मधुबनी, ठकहरा, भितहा, योगापट्टी, बैरिया और नौतन के दियारा क्षेत्रों में सैकड़ों घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। बगहा शहर तक पानी पहुंचने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

स्कूल में गलत गतिविधि की सूचना पर पहुंचे शिक्षक को मारी गोली, पटना रेफर

सीवान। सीवान जिले आंदर थाना क्षेत्र के शिवली मठिया गांव स्थित स्कूल के समीप सोमवार की सुबह करीब नौ बजे अपराधियों ने आंदर प्रखंड की पूर्व प्रमुख प्रतिभा गिरी के पति एवं शिक्षक किशोर कुमार गिरी को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गोली उनकी कनपटी में लगी है. गंभीर स्थिति में उन्हें सदर अस्पताल से पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि शिवली मठिया गांव के समीप स्थित स्कूल की एक शिक्षिका ने किशोर कुमार गिरी को फोन कर स्कूल बुलाया था। शिक्षिका ने बताया कि एक लड़का और लड़की एक कमरे में प्रवेश कर कुछ गलत गतिविधि कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद किशोर कुमार गिरी बाइक से स्कूल पहुंचे और दोनों से पूछताछ करने लगे।इसी दौरान लड़के ने फोन कर अपने कुछ साथियों को बुला लिया। साथियों के पहुंचने के बाद लड़का वहां से भागने लगा। स्थानीय लोगों ने उसका पीछा किया। इसी दौरान बाइक सवार युवकों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान एक गोली किशोर कुमार गिरी की कनपटी में जा लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े.'।

स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। परिजनों एवं स्थानीय लोगों की मदद से घायल शिक्षक को उपचार के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गयी. पुलिस घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही गोलीबारी में शामिल युवकों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। घटना के कारणों और आरोपितों की पहचान को लेकर पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ता चला गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल भी कमजोर पड़ती चली गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.15 प्रतिशत और निफ्टी 1.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 160.91 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,734.83 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 73 हजार अंक के स्तर से भी नीचे गिर कर 72,981.11 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर लगाया, जिससे इसकी चाल में मामूली सुधार भी हुआ। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 846.65 अंक यानी 1.15 प्रतिशत टूट कर 73,049.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 75.60 अंक यानी 0.33 प्रतिशत फिसल कर 23,064.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल कमजोर पड़ती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण पहले आधे घंटे का कारोबार होने के बाद निफ्टी 22,855.45 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार हुआ। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 270.85 अंक यानी 1.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,869.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,216 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 528 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,688 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सिर्फ एक शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में था। दूसरी ओर 29 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज, इंफोसिस, कोल इंडिया और टाटा स्टील के शेयर 1.55 प्रतिशत से लेकर 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर, मैक्स हेल्थकेयर, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 1.99 प्रतिशत से लेकर 1.58 प्रतिशत तक के गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 315.20 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 73,895.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 77.40 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,140.50 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

चतरा से जुड़े जमशेदपुर केनरा बैंक से सोना लूटकांड के तार, चार संदिग्ध हिरासत में

संवाददाता

जमशेदपुरः जिले के गोलमुरी स्थित केनरा बैंक में दिनदहाड़े हुई करोड़ों रुपये की सोना और नकदी लूटकांड के तार चतरा से जुड़े होने की बात सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, चतरा पुलिस ने देर रात गुप्त सूचना के आधार पर अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर चार संदिग्ध अपराधियों को हिरासत में लिया है। इनमें दो संदिग्धों के जमशेदपुर लूटकांड के मुख्य आरोपी के लगातार संपर्क में होने की बात सामने आई है।

सूत्रों के अनुसार, हिरासत में लिए गए संदिग्धों से चतरा पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ भी की है। पूछताछ में महत्वपूर्ण इनपुट मिलने के बाद उन्हें जमशेदपुर पुलिस को

सौंप दिया गया है, ताकि सोना लूटकांड की जांच में आगे की कड़ी जोड़ी जा सके।

हालांकि जमशेदपुर सोना लूटकांड मामले में चतरा से चार संदिग्धों की गिरफ्तारी की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। चतरा पुलिस के वरीय अधिकारी भी कार्रवाई की जानकारी होने से इनकार कर रहे हैं। ऐसे में पूरी कार्रवाई को लेकर आधिकारिक तस्वीर जांच के बाद ही साफ होगी।

पांच हथियारबंद अपराधियों नें रेनकोट पहन दिया था घटना को अंजामः गौरतलब है कि जमशेदपुर के व्यस्त गोलमुरी चौक के समीप स्थित केनरा बैंक में हथियारबंद अपराधियों ने विगत गुरुवार को दिनदहाड़े डकैती की थी। मूसलाधार बारिश के दौरान रेनकोट पहनकर पहुंचे पांच अपराधियों ने बैंक कर्मियों को हथियार के बल पर बंधक बनाया और महज 24 मिनट में आयरन चेस्टर व सेफ में रखे 600 पैकेट में करीब 23 किलोग्राम सोना और 43 लाख लूट लिए। लूटे गए सोने की कीमत लगभग 36 करोड़ रुपये आंकी गई है।

20 अधिकारियों की एसआईटी कर रही जांचः वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी दो बाइक से फरार हो गए। घटना के बाद जमशेदपुर पुलिस ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए 20 अधिकारियों की एसआईटी गठित की और सीमाओं पर निगरानी बढ़ाई।

इतना ही नहीं पुलिस ने लूटकांड में शामिल पांच अपराधियों की तस्वीर भी जारी की। साथ ही पुलिस ने सभी पर दो-दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया। ऐसे में अब चतरा में हुई कार्रवाई को इसी जांच की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है।

हिरासत में लिए गए संदिग्धों से पूछताछ और पुलिस की आगे की कार्रवाई के बाद पूरे गिरोह और लूटकांड के खुलासे की उम्मीद है।

विवादों में घिरी मुख्यमंत्री सम्राट की 'डीबीटी' प्रणाली

पटनाः राजधानी पटना में इनदिनों, खूब चर्चा और विवादों में घिरी हुई हैं, डीबीटी के जरिए सात हजार की राशि जो बिहार सरकार/के भावी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 15 सितंबर को बाढ़ प्रभावित इलाकों में बाढ़ से पीड़ितों की सहायता के लिए जारी किया है जो कि अभी तक लाभुकों को नहीं मिला। कुछ लोग को मिला मगर अधिकांश इससे वंचित है, इस राशि का लाभ यथाशीघ्र लाभुकों को मिलना था मगर 40-50% लाभुक अभी भी वंचित है। तय समय सीमा से विलंब होने से लोगों खासकर महिलाओं में मायूसी, क्रोध एवं निंदा की भावना सरकार के प्रति अफवाह के रूप में चर्चा का विषय बना हुआ है । लोगों को लगता है कि अब इस राशि का कहीं बंदर बाट तो नहीं हो जाएगा। लोगों में निराशा भी है कि इस बार हमारा सीएम नीतीश कुमार नहीं है। नीतीश कुमार की जुबान ही जनता के लिए काफी है जनता का उनपर भरोसा जो रहा है। आज वर्तमान में बने मुख्यमंत्री शायद वो भरोसा जनता का हासिल नहीं कर पाये। यही वजह है कि सात हजार के लाभों से अभी तक वंचित जनता गण काफी हताश और मायूस है ,इनदिनों बिहार वासियों की बड़ी पर्व जितिया भी आने वाला है,मगर लाभुकों को सात हजार रुपये की राशि आने का दूर- दूर तक कोई आसार नजर नहीं आ रहा है। लोगों में मायूसियों के साथ- साथ सरकार के प्रति अविश्वास बड़ रहा है कि कहीं उनेक इस सहयोग राशि का बंदर बाट तो नहीं हो जायेगा। बिहार की जनता इनदिनों बाढ़ से असहाय और लाचार है ऊपर से पूजा की जिम्मेदारी। मगर सम्राट सरकार का डीबीटी के जरिए सात हजार के मिलने वाले लाभ से वंचित होने के कारण एक बार फिर कहीं पूजा की रंगत फीकी और बेजान सी ना हो जाए। बिहार की जनता बाढ़ प्रभावित इलाकों में रह रही है। बाढ़ राहत लाभ राशि अभी तक नहीं मिलने के कारण उनमे मायूसी है।

कथित जातिगत व धार्मिक टिप्पणी पर फूटा भाजपा का गुस्सा, कई मंडलों में वित्त मंत्री का पुतला दहन

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगरः वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की भाजपा को लेकर की गई कथित जातिगत एवं धार्मिक टिप्पणी के विरोध में रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं का आक्रोश सड़क पर दिखा। जिले के विभिन्न मंडलों में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए वित्त मंत्री का पुतला दहन किया और जमकर नारेबाजी की।

भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह ने कहा कि वित्त मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति से गंभीर मुद्दों पर जवाब और सार्थक चर्चा की अपेक्षा होती है। इसके बजाय भाजपा को लेकर जातिगत टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में इस तरह की टिप्पणियों से बचना चाहिए।

भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन जाति के आधार पर किसी राजनीतिक दल या उसके कार्यकर्ताओं को निशाना बनाना उचित नहीं है। भाजपा नेताओं ने वित्त मंत्री से कथित बयान को स्पष्ट करने की मांग भी की।

प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र पाण्डेय, विजयानंद पाठक, जिला महामंत्री विजय ठाकुर, अजय सिंह, रूपा सिंह, विपुल गुप्ता, जितेंद्र तिवारी, आशीष भारद्वाज, मनोज विश्वकर्मा, प्रियरंजन शर्मा, श्रवण गुप्ता, सुनील पाण्डेय, शुभम गुप्ता, श्वेतांक गर्ग, राकेश पाण्डेय, मंजू देवी, शोभा शर्मा, शोभा चंद्रवंशी, उपासना सिंह, चंद्रकांत, प्रधान कुमार, प्रफुल तिवारी, रूप सिंह, मंजू गुप्ता, लाला यादव, शिव कुमार मिश्रा, कुणाल किशोर समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। बताया गया कि वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने हालिया कार्यक्रम में जाति और धर्म के आधार पर राजनीति को लेकर टिप्पणी की थी।

ब्रेक फेल होते ही अनियंत्रित हुआ सरिया लदा ट्रक, अमझरिया घाटी में पलटा

हाइड्रा की मदद से वाहन में फंसे चालक को निकाला गया

संजय कुमार यादव

चंदवा: थाना क्षेत्र के अमझरिया घाटी में सोमवार को ब्रेक फेल होने के कारण सरिया लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रक चालक अवनीश यादव (23) घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चालक वाहन के अंदर ही फंस गया था। स्थानीय लोगों की तत्परता से हाइड्रा मशीन की मदद से उसे काफी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार, सरिया लदा ट्रक (यूपी 82 एटी 2455) राउरकेला से दिल्ली जा रहा था। अमझरिया घाटी में उतरने के दौरान अचानक ट्रक का ब्रेक फेल हो गया। इसके बाद चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में चालक अवनीश यादव, पिता गिरीश यादव, वाहन के अंदर फंस गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गये। ग्रामीणों ने तत्काल हाइड्रा मशीन मंगायी। हाइड्रा की सहायता से काफी प्रयास के बाद चालक को वाहन से बाहर निकाला गया। इसके बाद घायल चालक को इलाज के लिए चंदवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उसका इलाज किया जा रहा है।

कुछ देर प्रभावित रहा आवागमन : दुर्घटना के कारण अमझरिया घाटी में कुछ देर तक आवागमन भी प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार अमझरिया घाटी में तेज ढलान और कई तीखे मोड़ हैं। ऐसे में भारी वाहनों के लिए यह मार्ग जोखिम भरा माना जाता है। लोगों ने घाटी में सुरक्षा के दृष्टिकोण से आवश्यक इंतजाम किये जाने की मांग की है।

बिहार के डीजीपी विनय कुमार का वीआरएस मंजूर, अब संभालेंगे मुख्य सूचना आयुक्त की जिम्मेदारी

विनय मिश्रा

पटनाः बिहार के डीजीपी विनय कुमार के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) के प्रस्ताव को सरकार ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही उन्हें बिहार का नया मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) नियुक्त किया गया है। दोनों फैसले उनके छुट्टी पर रहने के दौरान लिए गए। गृह विभाग ने उनका श्फ्र तत्काल प्रभाव से मंजूर किया है। सामान्य तौर पर वीआरएस के लिए तीन महीने पहले आवेदन की आवश्यकता होती है, लेकिन इस मामले में सरकार ने नियमों में छूट दी है। विनय कुमार फिलहाल छुट्टी पर हैं। छुट्टी पूरी होने के बाद वह मुख्य सूचना आयुक्त का पद संभालेंगे। उनका कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तारीख से शुरू होगा।

वहीं, सरकार ने पूर्व विधि विभाग सचिव अंजनी कुमार को राज्य सूचना आयुक्त नियुक्त करने का भी फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई त्रिसदस्यीय चयन समिति की बैठक में दोनों नियुक्तियों पर सहमति बनी थी। विनय कुमार 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और दिसंबर 2024 में बिहार के डीजीपी बनाए गए थे। उनका डीजीपी के रूप में कार्यकाल दिसंबर 2026 तक था। उनके छुट्टी पर जाने के बाद प्रीता वर्मा को डीजीपी का प्रभार सौंपा गया है।

गिरिडीह-धनबाद सीमा पर फिर लौटा हाथियों का झुंड, सहमे ग्रामीण

गिरिडीहः करीब एक पखवाड़े बाद एक बार फिर जंगली हाथियों के झुंड के गिरिडीह-धनबाद सीमा क्षेत्र में पहुंचने की सूचना है। बताया जा रहा है कि हाथियों का झुंड फिलहाल बराकर नदी के तटीय इलाके से सटे गुलियाडीह जंगल में डेरा जमाये हुए है। झुंड की दोबारा क्षेत्र में मौजूदगी से आसपास के गांवों के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

गिरिडीह और धनबाद जिले की सीमा से लगे इलाकों में हाथियों की आवाजाही लगातार बनी हुई है। हाल के दिनों में धनबाद के टुंडी क्षेत्र में भी हाथियों के झुंड की मौजूदगी की सूचना सामने आयी थी।

13 सितंबर को भी पहुंचा था झुंडः इससे पहले 13 सितंबर की रात हाथियों का झुंड पीरटांड़ क्षेत्र से होते हुए गांडेय प्रखंड के ताराटांड़ थाना क्षेत्र के भलपहरी गांव पहुंचा था। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों ने खेतों में लगी धान और मकई की फसल को रौंदकर नुकसान पहुंचाया था। इसके बाद 14 सितंबर को गांडेय प्रखंड की पंडरी पंचायत के पलचिया में हाथियों ने करीब आधा दर्जन ग्रामीणों के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया था। लगातार दो दिनों तक हाथियों की गतिविधियों से ग्रामीणों में भय का माहौल बना रहा। वन विभाग ने खदेड़कर टुंडी की ओर भेजा थाः पिछली घटना के दौरान वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद हाथियों के झुंड को गिरिडीह सीमा क्षेत्र से दूर खदेड़ दिया था।

20 वर्षीय युवक सूर्य कुमार लापता, परिजनों ने पुलिस से लगायी तलाश की गुहार

अर्चना कुमारी

बरवाडीहः थाना क्षेत्र के बरवाडीह-डाल्टनगंज मुख्य मार्ग स्थित शांति निकेतन स्कूल के समीप स्थानीय निवासी 20 वर्षीय सूर्य कुमार, पिता प्रमेश्वर राम, के लापता होने का मामला सामने आया है। युवक 18 सितंबर 2026 से घर से लापता है। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने 24 सितंबर को बरवाडीह थाना में लिखित आवेदन देकर पुलिस से युवक की तलाश कराने की गुहार लगायी है।

पत्नी को लाने ससुराल गया था युवकः परिजनों के अनुसार सूर्य कुमार की इसी वर्ष अरेंज मैरिज हुई थी। शादी के बाद पारिवारिक परिस्थितियों को लेकर कुछ विवाद की स्थिति बनी थी। बताया गया कि युवक अपनी पत्नी को वापस घर लाने के लिए लोहराही, प्रखंड मनिका, थाना मनिका, जिला लातेहार स्थित ससुराल गया था। हालांकि वहां से पत्नी की विदाई नहीं हो सकी। इसके बाद से सूर्य कुमार के संबंध में परिवार को कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पायी।

परिजनों ने बताया कि युवक के लापता होने के बाद रिश्तेदारों, परिचितों और संभावित ठिकानों पर काफी खोजबीन की गयी, लेकिन अब तक उसका पता नहीं चल सका है। युवक के अचानक लापता होने से परिवार के लोग काफी चिंतित हैं।

पुलिस ने कहा- विशेष जांच में जुटे अधिकारीः मामले को लेकर बरवाडीह थाना प्रभारी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि युवक के लापता होने संबंधी आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि विशेष जांच के लिए अधिकारियों को लगाया गया है और विभिन्न बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है। जल्द ही मामले का उद्भेदन किये जाने की उम्मीद है।

इधर, सूर्य कुमार के परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे हैं और पुलिस की जांच से उसके सुरक्षित मिलने की उम्मीद लगाये हुए हैं।

मेरे आग्रह पर झारखंड विधानसभा के सेंट्रल हॉल में लगेंगे संविधान सभा के आठ महान सपूतों के तैलचित्र : हृदयानंद मिश्र

विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने दी सहमति, तैलचित्रों के साथ प्रदर्शित होगी संक्षिप्त जीवनी

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगरः भारतीय संविधान के निर्माण में झारखंड की ऐतिहासिक भूमिका को सम्मान और नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। मेरे आग्रह पर झारखंड विधानसभा के माननीय अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने संविधान सभा के आठ सदस्यों के तैलचित्र विधानसभा के सेंट्रल हॉल में लगाने की घोषणा की है। इन तैलचित्रों के साथ संबंधित महान विभूतियों की संक्षिप्त जीवनी एवं संविधान निर्माण में उनके योगदान को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस समन्वय समिति के सदस्य एवं अधिवक्ता हृदयानंद मिश्र ने कहा कि उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष केवल तैलचित्र लगाने का आग्रह ही नहीं किया, बल्कि संविधान सभा के इन आठ महान सदस्यों की संक्षिप्त, शोधपरक जीवनियां स्वयं तैयार कर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो को प्रदान की हैं। अध्यक्ष ने इन जीवनियों को ध्यानपूर्वक देखा और इसकी प्रशंसा करते हुए इसे महत्वपूर्ण एवं उपयोगी पहल बताया।

श्री मिश्र ने कहा कि संविधान सभा में तत्कालीन बिहार के उस भूभाग, जो आज झारखंड है, से जुड़े प्रतिनिधियों ने संविधान निर्माण की ऐतिहासिक प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें जयपाल सिंह मुंडा, देवेन्द्रनाथ सामंत, बोनीफास लकड़ा, रामनारायण सिंह, कृष्ण बल्लभ सहाय, यदुवंश सहाय, अमिय कुमार घोष और बिनोदनंद झा प्रमुख हैं।

उन्होंने कहा कि इन महान सपूतों की स्मृति को केवल इतिहास की पुस्तकों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। झारखंड विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके तैलचित्र और जीवन-परिचय स्थापित होना आने वाली पीढ़ियों को यह बताने का स्थायी माध्यम बनेगा कि भारतीय संविधान के निर्माण में झारखंड की धरती की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रही है।

यदुवंश सहाय और अमिय कुमार घोष का योगदान विशेष रूप से महत्वपूर्णः हृदयानंद मिश्र ने कहा कि पलामू के लिए यदुवंश सहाय यदु बाबू और अमिय कुमार घोष का संविधान सभा में योगदान विशेष गौरव का विषय है। उन्होंने संविधान सभा में आदिवासी, वंचित एवं सामाजिक-आर्थिक प्रश्नों को गंभीरता से उठाया।

इसी प्रकार अमिय कुमार घोष ने भी संविधान सभा की विभिन्न बहसों में सक्रिय भागीदारी की। उनके विचार संविधान सभा की आधिकारिक कार्यवाही में दर्ज हैं। बाद में वे दाल्टनगंज क्षेत्र के विधायक भी रहे।

श्री मिश्र ने कहा कि उन्होंने इन दोनों महान विभूतियों सहित सभी आठ संविधान सभा सदस्यों की जीवनी तैयार करते समय उपलब्ध ऐतिहासिक दस्तावेजों और संविधान सभा की कार्यवाहियों को आधार बनाया है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को उनके योगदान की प्रमाणिक जानकारी मिल सके।

निर्णय के क्रियान्वयन के लिए अब आगे बढ़ना चाहिएः श्री मिश्र ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उनके आग्रह पर सहमति और घोषणा किया जाना स्वागतयोग्य है। अब इस निर्णय को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा–मैंने विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो से आग्रह किया था कि संविधान निर्माण में झारखंड की भूमिका निभाने वाले इन आठ महान सपूतों को विधानसभा के सेंट्रल हॉल में सम्मानजनक स्थान दिया जाए। अध्यक्ष जी ने मेरे आग्रह को स्वीकार करते हुए तैलचित्र लगाने की घोषणा की और मेरे द्वारा तैयार की गई उनकी संक्षिप्त जीवनियों की भी प्रशंसा की। यह मेरे लिए व्यक्तिगत संतोष का विषय होने के साथ-साथ झारखंड की संवैधानिक विरासत के लिए भी गौरवपूर्ण क्षण है।

उन्होंने कहा कि यदि तैलचित्रों के साथ जीवन-परिचय भी प्रदर्शित किया जाता है तो विधानसभा का सेंट्रल हॉल केवल एक औपचारिक स्थान नहीं, बल्कि झारखंड की संवैधानिक विरासत की जीवंत पाठशाला बन सकता है।

श्री मिश्र ने विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से संविधान सभा के इन महान सदस्यों को उचित सम्मान मिलेगा और विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा आम नागरिकों को अपने इतिहास और संवैधानिक विरासत को समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि निर्णय हो चुका है, अब उसके शीघ्र क्रियान्वयन की दिशा में आवश्यक प्रयास होना चाहिए, ताकि विधानसभा के सेंट्रल हॉल में इन महान संविधान निमार्ताओं की स्मृति को स्थायी रूप से प्रतिष्ठित किया जा सके।